जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 104 प्रभात कोटा, गुरुवार 26 जनवरी, 2023 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'सुषमा स्वराज के पास राजनैतिक शक्ति नहीं थी, मैं मोदी के विश्वस्त डोवल के साथ ही डील करता था'

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पॉम्पेओ ने अपनी नई किताब में भारत के विदेश मंत्रियों के साथ अपनी डीलिंग्स पर लिखे चैप्टर में कहा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। जो चीज राजनैतिक हल्कों में सुविदित थी किन्तु आम लोगों की जानकारी में नहीं थी, उस बात की पुष्टि अमेरिका के पूर्व सेक्रेटरी ऑफ स्टेट (विदेश मंत्री) माइक पॉम्पेओ ने भी कर दी है। पॉम्पेओ ने कहा है कि उन्होंने भारत की विदेश मंत्री रहीं सुषमा स्वराज को एक "महत्वपूर्ण राजनैतिक हस्ती" कभी नहीं पाया तथा वे (पॉम्पेओ) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्वस्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल के साथ काम करने को प्राथमिकता देते थे।

- पॉम्पेओ ने यह टिप्पणी कर उस बात की पुष्टि कर दी है, जो जगजाहिर थी पर कभी स्वीकारी नहीं गई।
- पॉम्पेओ ने अपनी किताब में मौजूदा विदेश मंत्री एस. जयशंकर की तारीफ की, उन्होंने किताब में जयशंकर को "जे" नाम से संबोधित किया और कहा कि इससे बेहतर समकक्ष नहीं मिल सकता था।

अपनी नवीनतम पुस्तक "नैवर गिव एन इंच: फाइटिंग फॉर द अमेरिका आई लव" में अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री ने कहा है कि सुषमा स्वराज, मई 2014 से मई 2019 तक विदेश मंत्री रही थीं और मुझे लगा कि वे राजनैतिक रूप से महत्वपूर्ण नहीं थी हस्ती", किन्तु विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पहली मीटिंग में ही बहुत प्रभाव छोड़ा।

मंगलवार को यह पुस्तक बुक-स्टोर्स पर पहुँच गई तथा इसकी खूब चर्चा रही। इस पुस्तक में पॉम्पेओ ने सुषमा को कुछ उपेक्षा की शिकार बताया है तथा उनके लिये तुच्छ अमेरिकन शब्दों "गूफ बॉल" तथा "हार्टलैंड पॉलिटिकल हैक" का प्रयोग किया है।

पॉम्पेओ का रहस्योद्घाटन इस कटु वास्तविकता को सामने लाता है कि मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्रियों के साथ कैसा बर्ताव किया जाता है। यह ध्यान देने योग्य है कि सुषमा स्वराज भाजपा की एक सीनियर नेता थीं, लेकिन फिर भी विदेशी राजनयिकों, खासतौर पर अमेरिका के, ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया क्योंकि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से वे राजनैतिक रूप से दमदार नहीं थीं। लेकिन सुषमा ने अपनी नाराजगी को कभी सार्वजनिक नहीं किया क्योंकि वे संघ और भाजपा के अनुशासन से बंधी हुई थीं। स्वराज का अगस्त 2019 में निधन हो गया था।

59 वर्षीय पॉम्पेओ अपनी किताब में लिखते हैं कि "भारत में, मेरा वास्तविक समकक्ष (भारतीय विदेश मंत्री) भारतीय विदेश नीति टीम का महत्वपूर्ण भाग नहीं था। इसके बजाए मैंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एवं प्रधानमंत्री मोदी के विश्वासपात्र अजित डोभाल के साथ अधिक निकटता से काम किया।"

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के विश्वासपात्र पॉम्पेओ उनके प्रशासन में वर्ष 2017 से 2018 तक सी.आई.ए. के डायरैक्टर रहे और फिर वर्ष 2018 से 2021 तक अमेरिका के विदेश मंत्री रहे।

अमेरिका का यह पूर्व शीर्ष राजनयिक, जो वर्ष 2024 में होने जा रहे राष्ट्रपति पद के चुनाव में अपनी संभावना तलाश रहा है, लिखता है कि "मेरे दूसरे भारतीय समकक्ष सुब्रमण्यम जयशंकर थे। मई 2019 में हमने भारत के नए विदेश मंत्री के रूप में "जे" का स्वागत किया। मैं इससे अच्छे "काउंटर पार्ट" की चाह नहीं कर सकता था। मैं इस व्यक्ति को पसंद करता हूं। उनके द्वारा बोली जाने वाली सात भाषाओं में से एक अंग्रेजी है, और कुछ अर्थों में वह मुझसे बेहतर है।"

पॉम्पेओ ने अपनी किताब में जयशंकर का चित्रण इस प्रकार किया है कि "वे पेशेवर और तर्कपूर्ण हैं और अपने बॉस एवं देश के जबर्दस्त पक्षधर हैं।"

उन्होंने कहा कि वो समझ सकते हैं कि मुझे उनकी पूर्ववती के साथ काम करने में परेशानी क्यों हुई थी। मैंने मजाक में प्रत्युत्तर दिया। मैं भी ऐसा ही हूं वह हंसे कि यदि यह सच होता तो यह मुझे ऐसा पहला सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्षपाती राजनेता बना देता जो कभी हार्वड लॉ रिव्यू का संपादक रहा हो। पॉम्पेओ ने जयशंकर के लिए "जे" संबोधन करते हुए कहा- "वैल प्लेड।"

पॉम्पेओ के दावों पर टिप्पणी करते हुए जयशंकर ने डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश करते हुए न्यूज़ एजेंसी पी.टी.आई. को बताया कि "मैंने सुषमा स्वराज जी के जिक्र वाले मंत्री पॉम्पेओ की पुस्तक के अंश को पढ़ा है। मैंने हमेशा सुषमाजी का बहुत आदर किया है तथा मेरे उनके साथ निकट एवं मधुर संबंध थे। मैं उनके लिए अमेरिका की बोलचाल की भाषा में कहे गए अनुचित शब्दों की निंदा करता हूं।"

'कर्मचारी को कोविड वैक्सीन लगाने के लिए बाध्य नहीं कर सकते'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला दिया है कि नियोक्ता अपने कर्मचारियों को कोविड -19 का वैक्सीन लगवाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह की एकलपीठ ने दिल्ली के एक सरकारी स्कूल शिक्षक की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया। याचिका में मांग की गई थी उसे कोविड-वैक्सीन लगवाने के लिए बाध्य न किया जाए तथा पढ़ाने और अन्य कार्यों की जिम्मेवारी उठाने दी जाए। उन्होंने संबंधित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस प्रतिभा सिंह ने एक सरकारी शिक्षक की याचिका पर यह फैसला दिया।

'सुप्रीम कोर्ट ने कोई "सैन्सिटिव" रहस्य उजागर नहीं किया'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। कांग्रेस नेता तथा वरिष्ठ एडवोकेट पी. चिदम्बरम ने कहा कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि केन्द्र सर्वोच्च न्यायालय कोलीजियम द्वारा भेजे गये नामों को "मनमाने" आधार पर कैसे खारिज कर देता है। इस मामले में मुख्य बात यह है कि सौरभ किरपाल, जो खुले आम समलैंगिक एडवोकेट हैं तथा जिनके नाम की सिफारिश उच्च न्यायालय के जज के लिये की गई थी, पर केन्द्र सरकार ऐतराज कर रही है।

- सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम पर कानून मंत्री रिजीजू ने संवेदनशील रहस्योद्घाटन का जो आरोप लगाया उस पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने टिप्पणी की।

कल केन्द्रीय विधि मंत्री किरेन रिजीजू ने इस बात पर गहरी चिन्ता व्यक्त की थी कि सर्वोच्च न्यायालय उन उम्मीदवारों के बारे में रॉ तथा बी द्वारा दी गई जानकारियों को उजागर कर रहा है, जिनके नामों की अनुशंसा पदोन्नति के लिये की गई है। विधि मंत्री की इस टिप्पणी के एक दिन बाद, अथौत आज कांग्रेस नेता पी. चिदम्बरम ने कहा कि ऐसी कोई संवेदनशील बात उजागर नहीं हुई है जो राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अखंडता से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अवकाश की सूचना

गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रदूत कार्यालय में दिनांक 26 जनवरी को अवकाश रहेगा। अतः दैनिक राष्ट्रदूत का अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा। -प्रबंध सम्पादक

'बदहाल पाकिस्तान की जनता की गुहार क्रांतिकारी सुधार किया जाए'

पाकिस्तान के जाने-माने विश्लेषक और लेखक मोशर्रफ ज़ैदी ने एक रिपोर्ट में बदहाल पाकिस्तान की तुलना तेजी से आगे बढ़ रहे भारत से करते हुए कहा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। ताजा खबरें संकेत देती हैं कि पाकिस्तान आर्थिक और वित्तीय रूप से बहुत बुरी स्थिति में है। दुःख की और बात ये भी है कि देश की सेना द्वारा बेलगाम हस्तक्षेप करने और नीति निर्माताओं की अक्षमता के कारण वहां आंतरिक अशांति है। इसीलिए पाकिस्तान में आंतरिक सुधारों की मांग जोर-शोर से बढ़ रही है।

इसके विपरीत भारत आर्थिक रूप से तथा विश्व स्तर पर मजबूत हो गया है और प्रधानमंत्री मोदी को कईयों द्वारा विश्व का सर्वाधिक प्रभावशाली नेता बताया जा रहा है।

पाकिस्तान के न्यूज़ इन्टरनैशनल के लेखक एवं विश्लेषक मोशर्रफ़ ज़ैदी ने अपने एक लेख में स्पष्ट किया है कि आपस में उलझे परमाणु हथियार सम्पन्न दोनों पड़ोसी देशों की संक्षेप में क्या स्थिति है।

दो दशक पूर्व भारत की जी.डी.पी. 450 बिलियन डॉलर से अधिक थी और पाकिस्तान की 63 बिलियन डॉलर। कैनेडा की जी.डी.पी. 678 बिलियन डॉलर, यू.के. की 1,690 बिलियन डॉलर या 1.69 ट्रिलियन डॉलर थी तथा फ्रांस की जी.डी.पी. 1,490 बिलियन डॉलर या 1.49 ट्रिलियन डॉलर थी। तब भारत एक गरीब देश था, जिसमें बहुत से लोग गरीब थे।

आज यू.के. की जी.डी.पी. बढ़कर 3.13 ट्रिलियन डॉलर हो गई है और फ्रांस की 2.96 ट्रिलियन डॉलर। कैनेडा की जी.डी.पी. बढ़कर करीब 2 ट्रिलियन डॉलर हो गई है और भारत की 3.18 ट्रिलियन डॉलर। भारत में अब भी गरीब लोग हैं, लेकिन फिर भी यह एक अमीर देश है। वर्ष 1999 में वैश्विक मंच पर अपना स्थान बनाने को लेकर भारत अक्षम था, लेकिन अब स्थिति बिल्कुल बदल गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उन्होंने कहा, दो दशक पहले भारत की जी.डी.पी. 450 बिलियन डॉलर थी, जो अब बढ़ कर 3.18 ट्रिलियन डॉलर हो गई है, भारत अब सम्पन्न देश है। पाकिस्तान की जी.डी.पी. 20 साल पहले 63 बिलियन डॉलर थी, जो अब 350 अरब डॉलर हो गई है और इस मामूली सी बढ़ोतरी पर भी पाकिस्तान का एक वर्ग जश्न मना रहा है, जबकि एक बड़ा वर्ग हताश और निराश है।

क्या प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या फर्जी है?

गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियाँ और सरकारी तेल कम्पनियाँ इस विवाद को लेकर हाई कोर्ट पहुँची

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 25 जनवरी। प्रदेश में एल.पी.जी. गैस सिलेण्डर वितरक और एल.पी.जी. गैस उत्पादन करने वाली सरकारी तेल कम्पनियों के बीच का एक बड़ा विवाद राजस्थान हाईकोर्ट तक पहुंचा है। विवाद के अनुसार पिछले वर्ष 18 जुलाई को केन्द्रीय पैट्रोलियम एवं गैस मंत्रालय ने प्रदेश में कार्यरत एल.पी.जी. गैस सिलेण्डर वितरकों को पत्र लिखकर आदेश पारित किये कि वे 31 जुलाई तक प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों के पूरे परिवार के आधार कार्ड की जानकारी मुहैया करायें। गौरतलब है कि इस योजना के मूल संस्करण के अनुसार लाभार्थी को एल.पी.जी. कनेक्शन के लिए केवल उक्त महिला की आधार कार्ड की जानकारी मंत्रालय को मुहैया करानी थी।

यहां उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का वर्ष 2016 में उद्घाटन किया गया था, जिसके अन्तर्गत भारत में गरीबी रेखा के नीचे बसर कर रहे किसी भी परिवार की महिला को एल.पी.जी. गैस कनेक्शन दिया जाता है। इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने वाले परिवार के आंकड़े 2011 में करे गये आर्थिक सामाजिक एवं जातिगत जनगणना के आधार पर प्राप्त किये गए थे और फिर ये आंकड़े सभी सरकारी तेल कम्पनियों को दिये गये थे। इस योजना के मूल संस्करण के अनुसार गरीबी की रेखा के नीचे बसर कर रहे किसी भी परिवार की महिला को एल.पी.जी. कनेक्शन दिया जाना था और उसके लिए केवल उक्त महिला की आधार कार्ड की जानकारी मंत्रालय को मुहैया करानी थी।

गौर फरमाने योग्य है कि 28 मार्च 2018 को विभिन्न सरकारी तेल कम्पनियों द्वारा यह आदेश पारित किये गये थे कि एल.पी. जी. गैस वितरण कम्पनियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभान्वित महिला के अलावा परिवार के एक अन्य सदस्य के आधार कार्ड की जानकारी भी अपलोड करनी होगी, और साथ ही यह चेतावनी दी गई कि अगर एल.पी.जी. गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों ने निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत यह जानकारी नहीं दी तो उनके द्वारा जारी किये गये सभी गैस कनेक्शन खारिज माने जायेंगे और उक्त वितरक कम्पनियों पर कड़ी कार्रवाई करी जायेगी।

इस मामले में पैट्रोलियम मंत्रालय व विभिन्न सरकारी तेल कम्पनियों का कहना है कि नियंत्रक और महालेखाकार परीक्षक (कैग) की एक ऑडिट रिपोर्ट में पाया गया कि कई अयोग्य लोगों को भी इस योजना के तहत लाभ पहुंचाया गया था और कई लोग जो 2011 की गनगणना के अनुसार अल्पवयस्क थे उन्हें भी गैस कनेक्शन दिये गये। इस तथ्य के कारण ही पैट्रोलियम मंत्रालय ने गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों से लाभाविन्त सभी परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड की जानकारी मांगी है।

राजस्थान के एल.पी.जी. गैस वितरक कम्पनी के एक संघ ने पैट्रोलियम मंत्रालय की ओर से 18 जुलाई 2022 को जारी किए गये आदेश को चुनौती देते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की और कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में लाभार्थियों की जानकारी 2011 की जनगणना पर आधारित थी, परन्तु 2011 से अभी तक करीब 11 वर्षों में कई परिवारों के सदस्य वयस्क हो चुके हैं और शादी के बाद एल.पी.जी. कनेक्शन प्राप्त करने के हकदार भी हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील सिद्धार्थ बाफना ने कहा कि कई लोग जो वयस्क हो चुके हैं और अपना अलग परिवार चला रहे हैं, उन्होंने इस योजना के तहत गैस कनेक्शन भी लगवा लिये हैं।

याचिका के अनुसार गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों के संघ ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत प्रदेश में तीन लाख गैस कनेक्शन जारी कर दिये हैं। याचिका कर्ताओं का कहना है कि अगर पैट्रोलिय मंत्रालय के 17 जुलाई 2022 के आदेश के तहत लाभार्थियों के पूरे परिवार के आधार कार्ड की जानकारी दी तो आंकड़ों का 'डुप्लीकेशन' होगा और ऐसा प्रतीत होगा कि एक ही परिवार के अंदर अलग-अलग लोगों के नाम पर गैस कनेक्शन जारी किये गये हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पैट्रोलियम मंत्रालय के आदेश का पालन किया जाये तो कई वास्तविक लाभार्थियों के गैस कनेक्शन रद्द करने पडेगें और गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियां भी अनुचित तरीके से दण्ड की भागीदार होंगी।

इस मामले में पैट्रोलियम मंत्रालय और सरकारी तेल कम्पनियों की तरफ से अधिवक्ता सुरूचि कासलीवाल पैरवी के लिए पेश हुई थी। न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह ने सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता, गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों के संघ, को आदेश दिए हैं कि वे दो माह के अंदर सरकारी तेल कम्पनियों और पैट्रोलियम मंत्रालय द्वारा लाभान्वित परिवारों के सभी सदस्यों के आधार कार्ड की जानकारी मुहैया करवाएं। अदालत ने पैट्रोलियम मंत्रालय और सरकारी तेल कम्पनियों को आदेश दिये हैं कि वे अभी याचिकाकर्ता गैस सिलेण्डर वितरक कम्पनियों पर कोई कार्रवाई नहीं करें। अदालत ने इस मामले की सुनवाई की अगली तारीख 20 मार्च तय की है और केन्द्र सरकार और सरकारी तेल कम्पनियों को अपना जबाव दायर करने को कहा है।

- यह मामला जटिल इसलिए हो गया, क्योंकि, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभ प्राप्त कर रहे परिवारों के आंकड़े 2011 की सामाजिक आर्थिक जनगणना पर आधारित हैं।
- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि 2011 के सर्वे के बाद अब तो इन परिवारों के बच्चे भी वयस्क हो गये हैं और उन्होंने भी इस योजना के तहत गैस सिलेण्डर प्राप्त किये हैं।
- इस मामले में जटिलता इस लिए भी आई, क्योंकि, केन्द्र सरकार ने लाभान्वित परिवारों को चिन्हित करने की प्रक्रिया में कई बार परिवर्तन किये और साथ ही यह भी निर्देश दिये कि, ज्यादा से ज्यादा गैस कनैक्शन लगाएं।

विचार बिन्दु

मूर्ख आदमी अपने बड़े से बड़े दोष अनदेखा करता है, किन्तु दूसरे के छोटे से छोटे दोष को देखता है। –संस्कृत सूक्ति

क्या हैं अखिल भारतीय सेवाओं से जनता को आशाएं–निराशाएं?

राज व्यवस्था राजशाही–सामंती हो, अधिनायकवादी हो, लोकतांत्रिक या कैसी भी हो राजकार्यों के सम्पादन, सतता के लिए स्थाई राज–सेवक तंत्र आवश्यक है। भारत की स्वतंत्रता से पूर्व ब्रिटिश सरकार, उससे पहले ईस्ट इंडिया कम्पनी और विभिन्न कालों में भिन्न–भिन्न राज्यों की राजव्यवस्था संचालन के लिए, उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों के स्थायी तंत्र थे।

आजादी के बाद पूर्ववर्ती समकक्ष सेवाओं इंडियन सिविल व पुलिस सेवाओं (ICS, IP) को IAS, IPS नामकरण के साथ चालू रखा गया। इन सेवाओं को भारतीय संविधान की धारा 312(2) में भारतीय प्रशासनिक व पुलिस सेवा नामकरण के साथ शामिल किया गया। इन्हें भारत की संसद द्वारा सृजित माना गया।

1952 में संसद द्वारा पारित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम के अंतर्गत इन सेवाओं के सृजन के लिए केंद्र सरकार को अधिकृत किया हुआ है। कालांतर में अखिल भारतीय वन सेवा का ओर गठन किया है। वर्तमानं में यही तीन सेवाएं अखिल भारतीय सेवाएं हैं।

आम आदमी का मुख्यत: IAS, IPS अधिकारियों से ज्यादा काम पड़ता है।

जिन क्षेत्रों विभिन्न श्रेणियों के संरक्षित वन क्षेत्र है, अभ्यारण है वहां के लोगों का और पर्यावरण से जुड़े कार्यों से प्रभावित लोगों का अधिकारियों से वास्ता पड़ता है।

** भारत नें लोकतांत्रिक–जनहितकारी राजव्यवस्था अपनाई है। इसमें लोकसभा, विधानसभाओं के चुनावों के आधार पर बहुमत प्राप्त दल की या गठबंधन की सरकारों का गठन होता है। मंत्रिमंडल सरकार का सर्वोच्च निकाय है। बहुमत प्राप्त सरकार पर अपनी नीतियों के अनुरूप और जनता से किए वायदों की पूर्ति के लिए कानून–नियम–नीतियां बनाने, लागू करने–करवाने का, जनता से व अन्य स्त्रोतों से प्राप्त धन के सदुपयोग का दायित्व है। सरकारें लोकसभा या विधानसभाओं में अपने निर्णयों, कर्तव्यों प्रति उत्तरदायी होती है।

IAS, IPS आदि सेवाओं से अपेक्षा:––यह आशा की जाती है कि इन सेवाओं के अधिकारी संविधान, उसके अनुसार निर्मित विधानों, नियमों की पालना करते हुए, पूर्ण निष्ठा, समर्पण, समानता, सक्षमता, राग–द्वेष–धर्म–जाती–किसी धार्मिक–सामाजिक–सांस्कृतिक–राजनीतिक संगठन और स्वयं की व्यक्तिगत भावनाओं से रहित होकर, कार्य करते हुए सरकारी नीतियों का क्रियान्वयन करेंगे। इन सब बातों का ध्यान रखते हुए अपने अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों का मार्गदर्शन कर, क्रियान्वयन करवाएंगे।

IAS, IPS अधिकारियों से जनता अपेक्षा करती है कि वे अपने दायित्वों, कार्यों के निष्पादन करते हुए जनता व उनके प्रतिनिधियों के साथ पूर्ण आदर सम्मान से उनके अभाव–अभियोगों–सुझाओं को सुनेंगे और यथासम्भव समाधान करेंगे।

मुख्यत: कलेक्टर, एसपी के कार्य कलापों से इन सेवाओं की छवि के बारे में आम आदमी अपने विचार बनाता है। आम आदमी जिला स्तर पर इन अधिकारियों में राज्य सरकार को देखता है।

एक बहुत ही संजीदा विधायक नें एक कलेक्टर से कहा कि सत्ता पक्ष के लोगों की सुनने के लिए तो सम्बंधित पार्टी के MLA व दूसरे जन प्रतिनिधि, पार्टी के कार्यकर्ता होते है। उनकी आवाज तो जिला व उपर तक पहुंच जाती है किन्तु जो विपक्ष के या गैर राजनीतिक लोग होते है वे आशा करते हैं कि कलेक्टर एसपी उनकी बात सहानुभूतिपूर्ण रुख के साथ सुनेंगे और समस्याओं का समाधान करने या करवाएंगे।

एक दूसरे संजीदा विधायक नें एक नवयुवक एञ्ध को कहा कि विधायक होने के नाते उनके पास लोग अपनी समस्याएं, अभियोग लेकर आएंगे और उनको अधिकारियों के पास पहुंचना, समाधान करवाना उनका कर्तव्य है। इसलिए उनकी अपेक्षा है कि उनकी बातों को विस्तार से, ध्यानपूर्वक सुना जाए––नियमों के अनुसार निर्णय करने के लिए अधिकारी स्वतंत्र है––उसमें उनका कोई आग्रह–दुराग्रह नहीं होगा।

> **राज व्यवस्था राजशाही-सामंती हो, अधिनायकवादी हो, लोकतांत्रिक या कैसी भी हो राजकार्यों के सम्पादन, सतता के लिए स्थाई राज-सेवक तंत्र आवश्यक है। भारत की स्वतंत्रता से पूर्व ब्रिटिश सरकार, उससे पहले ईस्ट इंडिया कम्पनी और विभिन्न कालों में भिन्न-भिन्न राज्यों की राजव्यवस्था संचालन के लिए, उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों के स्थायी तंत्र थे।**

इस प्रकार के संजीदा जनप्रतिनिधि कम होते जा रहे है।

पार्टियां कार्य कर्ताओं का केवल भीड़ इक्कठी करवाने और नारे लगवाने में उपयोग करती है। उनका राज व्यवस्था व जन समस्याओं के उचित निवारण के तरीकों का प्रशिक्षण दिया ही नहीं जाता।

आईएएस अधिकारी जब नीति निर्माण करने के स्तर पर मंत्रियों के साथ कार्य करते है तब उनका परम् दायित्व है कि तथ्यों, कानून–नियमों के अनुसार उन्हें सर्वोत्तम राय दें। राय देने के उपरांत जो निर्णय मंत्री अथवा मंत्री मंडल का हो उसकी पूर्ण रूपेण पालन करें।

आईपीएस का दायित्व कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण, अनुसन्धान व अभियोजन है। इस दृष्टि से का कार्य क्षेत्र सीमित है किन्तु इस सेवा के अधिकारियों की निष्ठा, कार्य प्रणाली, दक्षता, व्यवहार का सरकारों की छवि बनाने या बिगड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

जनता का आईएएस, आईपीएस के सम्बंध में यह परसेप्शन है कि इन अधिकारियों के सेवा शर्तें अन्य प्रादेशिक अधिकारियों–कर्मचारियों की तुलना में काफी ज्यादा है। इनके पास बहुत अधिकार होते है। वस्तुत: सरकार यही लोग चलाते है आदि, आदि।

** हाँ, इन अधिकारियों को किन किन पदों पर लगाया जाएगा, यह केंद्र व राज्य सरकार के स्तर पर तय होता है। प्रादेशिक सेवाओं की तुलना में वेतन,बहुत ज्यादा तो नहीं किन्तु कुछ अधिक होता है। पदोन्नतियां भी कमोबेश निश्चित समय सीमा में हो जाती है।

सबसे बड़ी बात यह है सरकारें इनके स्थानांतरण में पूर्णत: निरंकुशता नही अपना सकती। इन्हें आप पदस्थापन प्रतीक्षा में तो रख सकते है किंतु किसी की सनकों की पूर्ति के लिए हर किसी स्थान–पद पर नहीं लगाया जा सकता। पदस्थापन के स्थान भी अधिकांशत: जिला मुख्यालयों से नीचे नहीं है। अधिकारियों के भी पदस्थापना जिला मुख्यालय या चिन्हित अभ्यारणों आदि स्थानों पर ही लगा सकते है। राज्य सरकार निलंबित तो कर सकती है किंतु उसमें भी निरंकुशता पर नियंत्रण है।

***आज कल यह सुनना, पढ़ना आम है कि मंत्री, विधायक, सत्ताधारी दल के कार्यकर्ता आरोप लगाते है कि अधिकारी उनकी नहीं सुनते। अधिकांस अधिकारी ऐसे नहीं होते किन्तु अपवाद भी सामने आते रहते है।

चाहे पोलिटीसियन्स का अपनी गैरवाजिब बात मनवाने के दुराग्रह जो या अधिकारियों का अनुचित, रोड़ा लगाने–काम को डिले करने का दुराग्रह–पूर्वाग्रह हो दोनों ही अनुचित व निंदनीय हैं।

***राज नेताओं से अपेक्षा:–अच्छे राजनेता, ब्यूरोक्रेट्स के डोमेंन नॉलेज व उनकी राय का, जन हित में सर्वोत्तम सदुपयोग करें। दाब, धौंस, बेहिसाब व नियम कायदों के ट्रांसफर्स, ओबलिगेसन्स, तंत्र के माध्यम से विरोधियों के हैरेसमेंट की राजनीति अल्पायु होती है। ऐसे अनेक उदाहरण गिनाए जा सकते हैं जहां ऐसे नेताओं का सूर्यास्त होते ज्यादा समय नहीं लगता। उनको यह समझना होगा कि अधिकारियों की काम करने की शक्तियां मर्यादित है। मंत्री लोग नियम कायदों में बदलाव के लिए सक्षम है, उन्हें कार्यकर्ताओं के काम करने के लिए इस राजमार्ग का उपयोग करना चाहिए। अधिकारियों से क्यों उलझन?

***कुछ बातें जो आम लोगों में चर्चा का विषय बनती है और इन सेवाओं के अधिकारियों की छवि खराब करती है:---

*जनता में यह चर्चा का विषय बनता है कि कई IAS, IPS – अधिकारी ट्रांसफर–पोस्टिंग लिए, पोलिटीसियन्स के माध्यम से लॉबीइंग करवाते है। ऐसा करने वाले अधिकारी निष्पक्ष नहीं जो सकते।

*यह भी जन विमर्श में सुनने को मिल जाता है कि कई अधिकारी, मामलों में बिना तथ्य की गहन परीक्षण व बिना अपना सुविचारित दृष्टिकोण बताए, मंत्रियों के कहने अनुसार टिप्पणियां लिख देते है।

*नीचे के स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों का ज्यादा काम पड़ता है और नाइत्तफाकी भी होती है। कुछ कार्यकर्ता इन कार्मिकों को अपने बड़े नेताओं के जरिये परेशान करवाते है, अनुचित ट्रांसफर करवाते है। उनके वाजिब संरक्षण का दायित्व उच्चाधिकारियों का है किंतु कई बार इस दायित्व के निर्वहन के लिए प्रयास ही नही किए जाते। माना कि अंतिम निर्णय मंत्री का ही होगा किन्तु तथ्यात्मक विमत तो टिप्पणियों में हो।

*किन्ही मामलों में यह भी सुनने को मिल जाता है कि उच्चाधिकारी नें मौखिक आदेश देकर काम कर लिया किन्तु आवश्यकता पड़ने पर आदेश कन्फर्म नहीं करते हैं।

*बहुत से नियमों में व्याख्या करने की डिस्क्रिशनरी पावर अधिकारियों के पास होती है। इस अधिकार का जन हित में या किसी व्यक्ति के हित में उपयोग करने में कोताही नही बरतनी चाहिए बशर्ते कि इसमें किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह को हानि न पहुंचे, उनके किसी अधिकार का हनन न होता हो। लेकिन बहुत से अधिकारी ऐसे मामलों को टालने ऊपर खिसकाने की बिमारी ग्रस्त होते है या कुछ अधिकारी कभी कभी स्वहित में दुरुपयोग करने से नही चूकते।

*पहले नहीं था किंतु कुछ समय से अखिल भारतीय सेवाओं के कुछ अधिकारियों पर पार्टी विशेष या कुछ सामाजिक–सांस्कृतिक–जातीय संगठनों की विचारधाराओं को ध्यान में रख कर कार्य करने की खुसर–फुसर भी सुनने को मिल ही जाती है।

*सबसे बड़ी बात जिसकी आम आदमी में चर्चा रहती है वह यह है कि बहुत से जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर भ्रष्टाचार करते है। दोनों में से अकेले के लिए यह करना सम्भव तो है किंतु अत्यंत कठिन व कंटक भरा।

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

आबादी : हम, वे और जो तथ्य हैं

डॉ रामावतार शर्मा

जब भी भूमि के किसी भाग पर आबादी वहां के संसाधनों से ज्यादा हो जाती है तो उस स्थान पर संघर्ष प्रारंभ हो जाता है। जब संघर्ष प्रारंभ होता है तो लोग जाति, धर्म, कबीले आदि में बंट जाते हैं ताकि सामूहिक शक्ति का निर्माण हो और संघर्ष में विजय हासिल हो। तकरीबन यही बात प्रजातंत्र में सत्ता हासिल करने के लिए अपनाए गए हथकंडों में से भी एक होती है। ऐसा होना एक बड़ी नकारात्मक बात है पर होता यही है। इन परिस्थितियों में आबादी में बड़े स्तर का ध्रुवीकरण होने लगता है और छोटी–सी बात से ही हिंसा की चिंगारी हर तरफ आग की तरह फैल सकती है। आज कल हम सोशल मीडिया द्वारा सच और झूठ दोनों का जोरदार प्रचार देख रहे हैं। अब यदि कोई यह सोचता है कि यह दुष्प्रचार यूं ही चलता रहेगा तथा सत्ता पर कुछ लोगों का अधिकार बना रहेगा तो यह शायद एक बड़ी भूल सिद्ध हो। मानवीय अस्तित्व के इतिहास में आज तक कोई भी ऐसी क्रिया नहीं हुई है जिसकी प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रतिक्रिया नहीं हुई हो।

जब आबादी तेजी से बढ़ती है तो सामाजिक भाईचारा भी तेजी से समाप्त होने लगता है। आबादी बढ़ने से विकास दर भी बढ़ती है तो कुछ लोग शीघ्रता से संपन्न होने लगते हैं जिसके फलस्वरूप इन समूहों के कुछ लोगों में राजनीतिक महत्वाकांक्षा का जन्म होने लगता है।

राजनीतिक वर्चस्व के लिए लोगों का ध्रुवीकरण किया जाता है ताकि मत पेटी में एक ही दल को ज्यादातर मत मिलें। माहौल ऐसा बनाया जाता है कि मानो दूसरे लोग तुम्हारा सब कुछ छीनने को आतुर हैं, तुम्हारा धर्म, समाज और जाति खतरे में है, तुम्हारी संतान का भविष्य अंधकार में है। यदि इस विपत्ति से बचना है तो बस सिर्फ हमें ही चुनाव में सफल बनाओ और फिर बस चैन की बंसी बजाओ। पर ऐसा होता नहीं है चाहे जिसको सत्ता में बिठा दो। भला उन्ही का होता है जो सत्ताधारी लोगों को परोक्ष रूप से सत्ता में लाते हैं। आम जनता का तो पहले धर्म के आधार पर विभाजन होता है और फिर जाति और यहां तक कि गोत्र के नाम पर भी होने लगता है। समय के साथ तरह तरह की दरारें समाज के विभिन्न लोगों के मध्य अपना अस्तित्व जाहिर करने लगती हैं।

डॉक्टर हैंस रोसलिंग एक चिकित्सक और लेखक थे। उन्होने सत्य को उजागर करने के लिए शोध पर आधारित एक पुस्तक लिखी है फैक्टफुलनेस यानि तथ्यात्मकता। दूसरे उन्होंने देशों की सीमाओं को तोड़ पीड़ितों की सेवा के लिएं मेडिसिन सांस फ्रंटियर यानि सीमा मुक्त चिकित्सा सेवा नामक एक अंतरराष्ट्रीय संगठन स्थापित किया है। सत्य के पोषक मानवतावादी डॉक्टर रोसलिंग के अनुसार विश्व दो भागों में बंटा हुआ है वी यानि हम और देम यानि वे। हम से मतलब विकसित देश जहां लोग शिक्षित हैं, संपन्न हैं क्योंकि आबादी नियंत्रित है। वे मतलब तीसरी दुनिया के लोग, अशिक्षित, गरीब और बच्चों की प्लाटून के माता–पिता।

सन् 2002 के बाद तेज आर्थिक गतिविधियों के कारण भारत का एक वर्ग हम वाली स्थिति में तो पहुंच गया पर अब यहां राजनीति की प्रतिस्पर्धा के कारण एक बड़ी दरार पैदा हो गई है – हमारा और उनका। अब धर्म ठांथों नहीं धार्मिक चिह्नों को ही महत्व दिया जाने लगा है। हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध आदि आदि सभी अपनी अपनी सेनाएं बनाने लगे हैं। विप्र सेना, परशुराम सेना, करणी सेना, जैश मोहम्मद, जांगिड़ सेना, इंडियन मुजाहिद्दीन, भीम सेना, सम्राट अशोक सेना, वीर तेजा जी सेना आदि असंख्य सेनाएं। चंद स्वार्थी और सत्ता लोलुप लोग देश की जनता को धर्म और जातियों में विभाजित करने में सफल होते जा रहे हैं और सत्ता में बैठे लोग स्वयं सरकार के द्वारा जारी आंकड़ों को गुमनामी में धकेल रहे हैं।

भारत के धर्म आधारित कुछ आंकड़े जो भारत सरकार द्वारा ही जारी किए गए हैं कई लोगों की आंखों को खोल सकते हैं यदि वे सचेत होकर इनका अध्ययन करें। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे की पहली रिपोर्ट (1990–92) के अनुसार भारत की कुल प्रजनन दर 3.39 बच्चे प्रति महिला थी जो 2019–21 में जारी पांचवी सर्वे में घट कर 1.99 रह गई है। कुछ लोग जो किसी गुप्त षडयंत्र द्वारा सत्ता हड़पने की बाते करते हैं उनके लिए इसी रिपोर्ट के अनुसार मुस्लिम कुल प्रजनन दर 1990–92 में 4.41 बच्चे प्रति महिला थी 2019–21 में यह दर 2.62 रह गई है। इस तरह से हम देख रहे हैं कि शहरीकरण, शिक्षा और जागरूकता के साथ जब आर्थिक दबाव आ जाता है तो लोग बच्चे कम पैदा करने लगते हैं। इसके साथ बाल स्वास्थ्य सुधरने से भी लोग बच्चों की अधिकता से दूर होने लगते हैं। डॉक्टर रोसलिंग सदा कहते थे कि हमें दुष्प्रचार से बच कर तथ्यों पर आधारित बातों को खोजने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि वास्तविकता की जानकारी बेहतर जीवन योजनाएं बनाने में सहायक होती है।

अब एक विचार पर मनन करने का शायद समय आ गया है कि इन तथाकथित धार्मिक, जातीय सेनाओं से देश को क्या नुकसान हो सकता है? चूंकि हम तीव्र सूचना विस्तारण के दौर से गुजर रहें हैं और युवाओं का एक वर्ग अपने आप को भविष्य का मुख्यमंत्री, मंत्री या विधायक माने घूम रहा है तथा उसी तरह की जीवनशैली येन केन प्रकारण बनाए हुए है। ये लोग ही इन तथाकथिक सेनाओं के सरदार बने हुए हैं। यदि किसी दिन इन लोगों को अपने सपने टूटते नजर आए तो ये हिंसक होते देर नहीं लगाएंगे। आर्थिक रूप से पीड़ित कितने ही लोग हिंसा के तांडव में सम्मिलित हो सकते हैं।

बड़े नेता निज स्वार्थ के लिए धर्म का सहारा लेते हैं तो दोयम दर्जे के नेता जातिगत विष वमन करेंगे।

स्वार्थों की इन लड़ाइयों में पहली बली सबसे कमजोर लोगों की और दूसरे स्थान पर प्रतिभावान युवाओं की लगेगी। हो सकता है आज हम इसे मनगढ़ंत वहम कहें पर इसकी संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता है।

हम और वे यह भेद सदा बना रहा है और आगे भी बना रहेगा। धरती पर सब कुछ एक बराबर कुछ नहीं होता है पर एक सभ्य समाज से उम्मीद की जाती है कि वह लोगों के बीच की खाई को कम बनाए रखे ताकि विशिष्ट परिस्थितियों में लोग खाई में लुप्त न हो जाएं। उन्हें खाई के पार जाने की संभावनाओं के साथ जीवन जीने की सुविधा मिलनी चाहिए।

–डॉ रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

दिव्यांग असीम अग्रवाल की गणतंत्र पर भारत देश के लिए भावभीनी काव्यांजलि

भारत आज़ादी से अब तक

15 अगस्त सन 47 को भारत था आजाद हुआ।
तब से ही एक नए युग का आगाज हुआ।
सदियों जुल्मों से जूझ रही धरती को यह वरदान मिला।
वर्ष 2 माह 11 दिन 18 में बन कर के हमें संविधान मिला।
तब से ही खत्म तानाशाही का अत्याचार हुआ।
26 नवंबर सन् 49 को संविधान तैयार हुआ।
गणतंत्र ने स्वतंत्रता को सही अर्थ दिया।
क्या है कर्तव्य और अधिकार यह तय किया।
इसके आने से राजतंत्र समाप्त हुआ।
इससे ही तो लोकतंत्र है व्याप्त हुआ।
संविधान से ही अधिकारों का है ज्ञान हुआ।
दलितों-पतितो हर वर्ग का है सम्मान हुआ।
अंग्रेजों के शोषण से देश को मुक्ति मिली।
भारत वर्ष को आत्मा विकास की युक्ति मिली।
जन-जन के मन में आजादी की उमंग उठी।
नव थल और जल में भारत की ही तरंग उठी।
जन गण मन हर मन में है गूंज रहा।

दिव्यांग असीम अग्रवाल

मन मुक्त गगन में उड़ने का पथ ढूंढ रहा।
जब से आया गणतंत्र देश में शांति हुई।
तब ही जाकर श्वेत और हरित यहां पर क्रांति हुई।
फिर विश्व पटल पर भारत का निर्यात बड़ा।
और धीरे-धीरे देशों से आयात घटा।
अर्थव्यवस्था में अपनी उदारीकरण का दौर आया।
उद्योगों में भी तब जाकर के जोर आया।
खेलों से भी बनता भविष्य यह विश्वास हुआ।
इस दौर में अब विज्ञान का भी है विकास हुआ।
स्वामी जी का स्वप्न सुनहरा सत्य हुआ।
भारत विश्व गुरु सिद्ध यह तथ्य हुआ।
हो युद्ध यहां हथियारों से या बीमारी से।
है देश खड़ा अब तो पूरी तैयारी से।
अब कौशल से हमें ढूंढना अवसर होगा।
भारत तब ही विकास पथ पर अग्रसर होगा।

–दिव्यांग असीम अग्रवाल,
पुत्र विजय कुमार अग्रवाल,
मदनगंज-किशनगढ़

75 वर्ष के खिलाड़ी अरुण सिंह ने कांस्य पदक जीता

- **मस्कट(ओमान) में कांस्य पदक जीत कर बढ़ाया जोधपुर और देश का गौरव**
- **पदक जीतकर लौटने पर अरुण सिंह बारहठ का सम्मान एवं अभिनंदन किया**

जोधपुर, (कासं)। शाला कीडा संगम केन्द्र गौशाला मैदान जोधपुर के 75 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी अरुण सिंह बारहठ ने मसकट ओमान आयोजित विश्वस्तरीय वर्ल्ड वेटरन टेबल टेनिस चैंपियनशिप–2023 भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक प्राप्त कर शाला संगम केन्द्र, जोधपुर, राजस्थान और भारत का नाम गौरवान्वित किया है।

विश्वस्तरीय स्पर्धा में धाक जमाकर लौटने पर अरुण सिंह बारहठ का शाला क्रीड़ा संगम केन्द्र परिवार द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर उनका भावपूर्ण सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश संदीप मेहता, विजय विश्नोई, पुष्पेन्द्र सिंह भाटी, जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता, मधुलिका एसीईएम फास्ट ट्रैक, एवं टेबल टेनिस एसोसिएशन के पदाधिकारी मुकुल गुप्ता, संजय गहलोत, कपिल मिर्धा, ज्योतिषाचार्य सुरेश श्रीमाली, जिला शिक्षा अधिकारी इसाफ खां जई, रफीक खां, सुमित्रा पंवार एवं शाला क्रीड़ा संगम केन्द्र प्रशिक्षक रीटा नरूका, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, रानू सिंह चौहान, दिनेश भारती, राकेश सिंह देवडा, पुखराज चौधरी आदि समस्त स्टाफ द्वारा बारहठ एवं सुश्री सुनिधि दीवान का सम्मान किया गया। इन खिलाडियों को साफा, मोमेंटो एवं उच्च कोटि के रैकेट प्रदान कर सम्मान किया गया।

ठण्ड का असर बढ़ा, माउंट आबू में तापमान माइनस तीन डिग्री रहा

- **पारे में गिरावट के बाद मैदानी इलाकों सहित कई जगह बर्फ की परत जमी**
- **सर्दी के प्रकोप के बीच अलाव जलाकर लोग सर्दी से बचने का जतन कर रहे हैं**
- **माउंट आबू में बीते दस दिनों से पारे में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है**

माउंट आबू, (निसं)। सिरोही जिले में दो दिन की राहत के बाद फिर से ठण्ड का असर बढ़ गया है। प्रदेश के एक मात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में न्यूनतम तापमान पिछले दो दिनों से 1 डिग्री दर्ज किया गया जा रहा था। जिसमें बुधवार को 4 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई। पारे में गिरावट के बाद बुधवार का न्यूनतम तापमान माईनस 3 डिग्री दर्ज किया गया। पारे में गिरावट के बाद मैदानी इलाकों सहित कई जगह बर्फ की परत जमीं पाई गई। वही अलसूबह माउंट आबू में धुंध भी छाई रही।

माउंट आबू में पारे में गिरावट के चलते लोगों की दिनचर्या में इसका खासा असर देखने को मिल रहा है। लोग देर तक घरों में दुबके रहते है। वही स्कूली बच्चों और नौकरी और मजदूरी पर जाने वाले स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

माउंट आबू में बीते दस दिनों से पारे में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। बीते दस दिनों में 8 दिन न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से नीचे रहा। वही दो दिनों से एक डिग्री थी जो बुधवार को 4 डिग्री गिरकर माईनस 3 डिग्री दर्ज किया गया। पारे में गिरावट के बाद माउंट आबू के मैदानी इलाकों, पहाडी इलाके में बहने वाले नालों, घरों व होटलों के बाहर खड़ी कारों की छत, बाहर रखे पानी व पेड़ पौधों पर बर्फ की हल्की परत जमीं पाई गई। वहीं सर्दी के प्रकोप के बीच अलाव जलाकर लोग सर्दी से बचने का जतन कर रहे है। वही घरों में रहने दुबके लोग रूम हीटर का प्रयोग कर रहे है। माउंट आबू में इस वर्ष लम्बे समय से सर्दी का प्रकोप देखा जा रहा है। माउंट आबू में एक तरफ जहां पारे में गिरावट दर्ज की जा रही है तो अलसुबह पहाड़ों और पोलो ग्राउंड सहित अन्य जगह धुंध छाई रही। धुंध से ठंडी हवाओं भी चलती रही। जिसके चलते बाहर लोगों की कंपकंपी छूट गई।

राशिफल गुरूवार 26 जनवरी, 2023

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र सांय 6:57 तक, शिव योग दिन 3:29 तक, बालव करण दिन 10:29 तक, चन्द्रमा मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मकर, चन्द्रमा–मीन, मंगल–वृष, बुध–धनु, गुरू–मीन, शुक्र–कुम्भ, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग सांय 6:57 से आरम्भ होगा। आज बसन्त पंचमी (उत्तर प्रदेश, पूर्वा मध्यप्रदेश, बिहार, असम आदि राज्यों में)। आज तक्षक पूजा, श्री पंचमी, सरस्वती पूजन, रति काम महोत्सव, बागीश्वरी जयन्ती यात्रा दर्शन पूजा है। आज पंचक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:39 तक, चर 11:19 से 12:39 तक, लाभ–अमृत 12:39 से 3:19 तक, शुभ 4:39 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:59

मेष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

धनु
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

PMCH HEALTH ADVISORS

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला

(NABH प्रमाणित)

सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई

बेहतरीन उपचार एवं उच्चस्तरीय
स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ आपके लिए
हैं तैयार हम

मल्टीस्पेशिलिटी सुविधा

- जनरल मेडिसिन विभाग
- अस्थिरोग विभाग
- बाल एवं शिशु रोग
- नेत्र विभाग
- नाक-कान-गला विभाग
- प्रसुति एवं स्त्रीरोग विभाग
- चर्मरोग विभाग
- जनरल एवं लेप्रोस्कापिक सर्जरी विभाग
- वक्ष एवं क्षय रोग विभाग
- मनो चिकित्सा विभाग

सुपरस्पेशिलिटी सुविधा

- मस्तिष्क रोग विभाग
- हदयरोग विभाग
- मूत्ररोग विभाग
- गुर्दा रोग विभाग
- कैंसर विभाग
- पेट एवं लीवर रोग विभाग
- पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग
- मधुमेह, थाइराइड एवं हार्मोन्स रोग विभाग
- बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग
- निःसंतानता रोग विभाग (आई.वी.एफ)

ई.ई.जी. | ई.एम.जी. | कलर डोप्लर | सीटी स्केन | एम.आर.आई. | डायलिसिस
सभी तरह की खून एव मूत्र की जांचे एवं ईको कार्डियोग्राफी की सुविधा | फिजियोथेरेपी की सुविधा

RGHS | चिरंजीवी मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना MMCSBY | कर्मचारी राज्य बीमा योजना ESIC
योजनाओं के कैशलेस ईलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल

- 24 घण्टे ऐम्बुलेंस सेवा किफायती दरों पर
- डे-केयर कीमो थैरेपी एवं सर्जरी की सुविधा
- हाईटेक ऑपरेशन थियेटर
- सुसज्जित आई.सी.यू.
- उच्च प्रशिक्षित स्टॉफ

24/7 सुविधाऐं उपलब्ध

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

भीलों का बेदला, सुखेर-पिण्डवाड़ा हाईवे, उदयपुर, राजस्थान - 313001
फोन: 0294-3520000, 9828144314

धरने पर बैठे व्यापार संघ व बिदाणी परिवार को पुलिस ने अल-सुबह खदेड़ा

कोटपूतली में मास्टर प्लान के तहत सड़क विस्तारीकरण का मामला

कोटपूतली, (निसं)। नगर परिषद् द्वारा कोटपूतली के मास्टर प्लान 2011-31 को लागू करने और सड़क विस्तारीकरण को लेकर पुरानी नगरपालिका से आजाद चौक तक की जा रही संरचनायें तोड़ने की कार्यवाही को लेकर आज तीसरे दिन भी परिषद् प्रशासन द्वारा मलबा उठाने व विद्युत पोल लगाने की कार्यवाही जारी रही। किन्तु सोमवार को आजाद चौक में की गई कार्रवाई के बाद से पूरे शहर में तनाव का माहौल बना हुआ है। जहां प्रशासन ने कोटपूतली अग्रसेन चौराहे से लेकर आजाद चौक तक के पूरे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया है, वहीं व्यापारी प्रशासन की कार्रवाई को दमनात्मक व तानाशाही बता रहे हैं।

जहां एक ओर आजाद चौक में कार्रवाई के बाद से व्यापारी नगर परिषद पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगा रहे थे वहीं मंगलवार शाम तक पीड़ित व्यापारी परिवार अपने तोड़े गए प्रतिष्ठान की जगह पर ही टेंट लगाकर धरने पर बैठ गया था। लेकिन देर शाम नगर परिषद दस्ता तोड़े गए प्रतिष्ठान की जगह पर विद्युत पोल लगाने पहुंचा तो व्यापारी व नगर परिषद प्रशासन के बीच तनातनी का माहौल हो गया और सुबह 4 बजे प्रशासन ने भारी पुलिस जाप्ते के साथ धरने पर बैठे पीड़ित व्यापारी परिवार को जबरन उठा दिया और परिवार के चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

गौरतलब है कि इस पूरी कार्रवाई के बाद व्यापारी व लोगों में प्रशासन के खिलाफ आक्रोश देखने को मिल रहा है। इसी बीच आक्रोशित व्यापारियों ने सैकड़ों की संख्या में इकट्ठे होकर कोटपूतली एडीएम रविंद्र शर्मा को नगर परिषद की कार्यवाही के विरोध में सीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर न्याय की मांग की है। व्यापार मंडल के बैनर तले सौंपे गए ज्ञापन में पीड़ित व्यापारियों को पुनर्वास व मुआवजे की मांग की है। वहीं देर शाम तक मौके पर पुलिस प्रशासन के करीब 400 जवान व कोटपूतली एडीएम, एसडीएम तहसीलदार व डिवाईएसपी सहित प्रशासन का भारी जाप्ता मौके पर मौजूद रहा। इस दौरान व्यापारीयों ने प्रशासन व क्षेत्रीय विधायक व गृह राज्य मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

धरने पर बैठे व्यापारी परिवार को जबरन धरने से उठाकर थाने ले जाती पुलिस।

- विरोध कर रहे बिदाणी परिवार के चार लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया
- प्रशासन की दमनात्मक कार्यवाही को लेकर लोगों में आक्रोश बरकरार
- नगर परिषद् आयुक्त ने पब्लिक नोटिस निकाल कर लिखा फिलहाल इसके अतिरिक्त किसी अन्य स्थान व मार्ग पर परिषद् नहीं करेगा कार्यवाही
- व्यापार मण्डल के बैनर तले प्रभावितों ने एडीएम को ज्ञापन सौंपकर पुनर्वास व मुआवजे की मांग की

प्रशासन द्वारा इन दिनों सड़क विस्तारीकरण को लेकर कि जा रही कार्यवाही को लेकर चहुंओर चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोग शहर के हर गली मौहल्ले में कार्यवाही को लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। इस दौरान जहां सोशल मीडिया पर कस्बे के 17 रोड़ों को चौड़ा किये जाने की लिस्ट वायरल हो रही है। वायरल लिस्ट के मुताबिक डाबला रोड 100 फीट, बानसूर रोड 100 फीट, नगर परिषद् पार्क रोड 80 फीट, गोपालपुरा रोड 60, लक्ष्मीनगर रोड 60 फीट, टेलीफोन एक्सचेन्ज रोड 60 फीट, श्याम मन्दिर रोड 60 फीट, सुन्दपुरा रोड 60 फीट, संजीवनी अस्पताल रोड 60 फीट, सरदार स्कूल रोड 60 फीट, राठौड़ पार्क रोड 60 फीट, पुतली कट से बानसूर रोड 60 फीट, गौशाला रोड 60 फीट, तहसील से नागाजी की गौर 60 फीट, आजाद चौक रोड 40 फीट, पुरानी सब्जी मण्डी रोड 40 फीट व दिल्ली दरवाजा से तहसील तक 40 फीट तथा इन सभी मार्गों से लगने वाली छोटी सड़कें भी 20 एवं 30 फिट चौड़ी किये जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि इस लिस्ट के वायरल पर अभी तक किसी भी अधिकारी ने अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। यह जरूर है कि एक बार जब यह लिस्ट वायरल हुई तब परिषद् आयुक्त ने उक्त लिस्ट को झूठा वायरल बता कर वायरल करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्यवाही का भरोसा दिलाया था किन्तू अभी तक इस वायरल का सच क्या है यह सामने नहीं आया है।

लेकिन अभी तक उक्त लिस्ट के मुताबिक माने तो नगर परिषद् प्रशासन ने परिषद् पार्क रोड़ को 80 फीट किये जाने हेतू संरचनाओं को ध्वस्थ कर दिया है। वहीं सरदार स्कूल रोड़ को 60 फीट किये जाने हेतू संरचनायें तोड़ी गई हैं। साथ ही आजाद चौक रोड़ को भी 40 फीट चौड़ा किये जाने हेतू परिषद् ने विगत सोमवार से संरचनायें तोड़ना शुरू कर दिया था। ऐसे में लोगों को व्यथित व चिंतित होना लाजमी है।

दूसरी ओर परिषद् द्वारा की जा रही कार्यवाही के बाद व्यापारियों के आक्रोश व आरोपों के बाद कहीं ना कहीं नगर परिषद् बैकफुट पर नजर आ रही है। खुद आयुक्त फतेह सिंह मीना ने एक सार्वजनिक सूचना शोसल मीडिया पर वायरल की है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि नगर परिषद की एंपावर्ड कमिटी तथा बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुसरण में नगर परिषद द्वारा सरदार स्कूल से शनि मंदिर तक, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 से अग्रसेन सर्किल तक तथा पुरानी नगर पालिका भवन से आजाद चौक तक मास्टर प्लान सड़क मार्गाधिकार से स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही विभिन्न चरणों में संपन्न की गई है।

निर्णय के अनुक्रम में उपरोक्त सड़कों की चौड़ाई सरदार स्कूल से शनि मंदिर तक 60 फीट, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 से अग्रसेन सर्किल तक 80 फीट तथा पुरानी नगरपालिका भवन से आजाद चौक तक 40 फीट की जानी प्रस्तावित था जिसके अनुक्रम में उच्च न्यायालय द्वारा जिन सरंचनाओं पर स्टे दिया गया है के अतिरिक्त सभी स्थानों से अधिकांश कार्यवाही नगर परिषद द्वारा संपन्न की जा चुकी है। फिलहाल इन स्थानों के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान अथवा मार्ग पर नगर परिषद द्वारा कार्यवाही की जानी प्रस्तावित नहीं है।

सूने मकान से 10 लाख के जेवर व नगदी चोरी

चोरी की घटना के बाद पुलिस ने पूछताछ की।

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा शहर के वार्ड नम्बर 20 कायस्थ मौहल्ला में मंगलवार की रात चोरों ने रैकी कर पुलिस की रात्रि गश्त के दावों को ठेंगा दिखाते हुए सूने मकान के ताले तोड़ 10 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभुषण व 60 हजार से अधिक की नगदी को चुरा लिया।

ग्रामीणों द्वारा पुलिस को सीसीटीवी फुटेज सहित चोरी की वारदात में उपयोग लिये गये संसाधन तक उपलब्ध करवाने के बावजूद बीते 6 माह में एक भी चोरी की वारदात का खुलासा नहीं किया जा सका। इसी प्रकार भीलवाड़ा शादी समारोह में शरीक होने गये प्रदीप चन्द पुत्र पदम चन्द ठेग्या के सूने मकान को मंगलवार की रात को चोरों निशाना बनाते हुए मुख्य दरवाजे व अलमारी के ताले तोड़ तकरीबन 14 तोला सोना व डेढ किलो चांदी के आभुषण सहित 60 हजार रूपये से अधिक की नगदी चुरा ली। वारदात का पता बुधवार को शादी से लौटने पर गेट का ताला टूटा होने व कमरों में सामान बिखरा होने पर लगा। सूचना पर एएसआई भागचन्द चौधरी, रामनारायण गुर्जर, एमआईयू टीम के साथ वारदात स्थल पर पहुंच कर फिंगर प्रिन्ट सहित महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाये। डीवाईएसपी सुशील मान ने भी मौके पर पहुंच पीड़ित मकान मालिक व परिवारजनों से घटना की जानकारी लेकर चोरी की वारदात का खुलासा करने का विश्वास दिया।

- भीलवाड़ा शादी समारोह में गये हुए थे परिवारजन

इंजन में खराबी से सवा घंटा खड़ी रही रानीखेत एक्सप्रेस

पाली, (निसं)। इंजन में खराबी आने से पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन में बुधवार को रानीखेत एक्स्प्रेस करीब सवा खड़े खड़ी रही। जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इंजन में खराबी के कारण मारवाड़ जंक्शन में बुधवार सुबह करीब सवा घंटा ट्रैक पर रानीखेत एक्सप्रेस (15013) खड़ी रही। इससे जोधपुर-रतलाम ट्रेन भी लेट हो गई। घटना के चलते दोनों ट्रेनों के यात्रियों और रेलवे फाटक बंद होने से मारवाड़ जंक्शन के लोगों को परेशानी हुई।

मारवाड़ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर 10:25 पर पहुंचने वाली रानीखेत एक्सप्रेस के इंजन में पॉवर लॉक की समस्या हो गई। जिससे ट्रेन पीर बाबा दरगाह के पास ट्रैक पर खड़ी हो गई। इससे पाली फाटक को भी बंद करना पड़ा। रेलवे तकनीकी टीम ने पहुंच खराबी दुरुस्त की। उसके बाद ट्रेन को रवाना किया जा सका। यहां करीब सवा घंटे ट्रेन खड़ी रही। सुबह करीब पौने बाहर बजे ट्रेन को रवाना किया गया।

जोधपुर-रतलाम भी हुई लेट:- रानीखेत एक्सप्रेस के खड़े रहने के चलते जोधपुर-रतलाम ट्रेन भी आगे नहीं बढ़ सकी। ऐसे में करीब डेढ़ घंटे तक जोधपुर-रतलाम ट्रेन भी खड़ी रही। जिसके चलते दोनों ट्रेनों के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मारवाड़ जंक्शन निवासी पार्षद कल्पेश जैन ने बताया कि ट्रेन खड़ी रहने से करीब एक घंटे से ज्यादा पाली रेलवे फाटक बंद रही। जिससे फाटक के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। लोगों को परेशान होना पड़ा क्योंकि अंडरब्रिज फाटक से करीब दो किलोमीटर दूर है। ऐसे में श्री सांई दर्शन सेवा संस्थान के अध्यक्ष देवेन्द्र मीणा और उनकी टीम में वाहन चालकों को अंडरब्रिज जाने के लिए माइक लगाकर अनाउंस किया।

बेटे ने पिता की लाठी से मार की हत्या

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के ग्राम बाड़ा जेरेकिला में बीती रात्रि को जमीनी मामले में एक बेटे ने अपने ही पिता की लाठी से मार गंभीर रुप से घायल कर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार मंगलवार देर रात करीब साढ़े 10 बजे के करीब वृद्ध नाथूलाल बैरवा उम्र 55 साल निवासी ग्राम बाड़ा जेरेकिला को उसके बेटे योगेन्द्र बैरवा ने लाठी से पिटकर घायल कर दिया, जिसको गम्भीर अवस्था में सआदत अस्पताल लाया गया था, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जयपुर रैफर किया, लेकिन चाकसू के पास पहुंचते उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद उसका शव टोंक लाकर सआदत अस्पताल की मोर्चरी में लाकर रखा गया।

पुलिस थानाधिकारी सदर घनश्याम मीणा ने बताया कि घटना के समय दोनों पिता-पुत्र अकेले थे। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए हत्या के आरोपी पुत्र जोगेंद्र को डिटेन कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी टोंक सालेह मोहम्मद भी मौके पर पहुंचे और एफएसएल टीम के जरीये मौके से साक्ष्य जुटाए गए। इस मामले में परिजनों के अनुसार मृतक नाथू लाल ने कुछ साल अपनी 3 बीघा जमीन बेची थी जिसके रूपयों को लेकर पिता-पुत्र में अक्सर विवाद हुआ करता था। इस मामले में आरोपी बेटे योगेन्द्र बैरवा को हिरासत में लेककर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नकाबपोश बदमाशों ने तीन मिनिट में बैंक से सात लाख नब्बे हजार रुपये लूटे

मंडावरी लालसोट, (निसं)। मंडावरी थाना क्षेत्र की बिलोना कला ग्राम स्थित राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक में बुधवार दिन दहाड़े सुबह करीब ग्यारह बजे अज्ञात तीन हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों द्वारा डकैती की वारदात को अंजाम दिया गया।

फिल्मी स्टाइल में बेखौफ घुसे तीन बदमाश महज तीन मिनट में बैंक में डकैती की वारदात को अंजाम देकर करीब सात लाख नब्बे हजार रुपयों को लूट कर फरार हो गए। बदमाशों ने वारदात के दौरान करीब पांच से छह राउंड फायर भी किए। उनमें से कंधे पर बैग टांके एक बदमाश ने बैंक के मुख्य द्वार पर मोर्चा संभाल लिया एवं दो अन्य बैंक के अंदर दाखिल हो गए। सभी लुटेरे बदमाशों के पास बंदूक आदि हथियार मौजूद थे। दो लुटेरों द्वारा बैंक में दाखिल होते ही दो हवाई फायर किए, हवाई फायर करने के बाद बैंक के कर्मचारी घबरा गए। इसके बाद बदमाशों ने बंदूक दिखाकर केशियर से स्ट्रांग रूम चलकर तिजोरी खोलने के लिए कहा गया। हालांकि बैंक में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा काफी विरोध भी जताया गया लेकिन बंदूक की नोक पर केशियर को बैंक स्ट्रांग रूम में ले जाकर तिजोरी को खुलवाया एवं उसमें रखी पूरी नगरी को खुद के साथ लाए एक बैग में भरकर जाते समय दोबारा फायर कर वहां से दहशत फैलाते हुए बाइक पर सवार हो फरार हो गए।

- बदमाशों ने वारदात के दौरान करीब पांच से छह राउंड फायर भी किए

बैंक लूट की घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने साक्ष्य जुटाए।

अज्ञात लुटेरों द्वारा लूट की वारदात को अंजाम देने की पूरी घटना बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक अरविंद गोयल मौके पर पहुंचे एवं घटना को लेकर जानकारी ली। इसके बाद जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन एवं अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक लालचंद कायल द्वारा भी बैंक स्थित घटनास्थल का जायजा लिया एवं एमओवी एफएसएल टीम द्वारा एकत्रित करवाने का कार्य भी करवाया।

वहीं इस डकैती की घटना को अंजाम देने आया एक युवक बाहर गेट पर बंदूक लेकर पहरेदारी कर रहा था इसी दौरान वहां निकले एक ग्रामीण को वहां से जाने को कहा इस पर ग्रामीण खुद के घर के सामने जाकर खड़ा हो गया जहां लुटेरे द्वारा ग्रामीण पर भी फायर किया गया जिसमें ग्रामीण भी बाल-बाल बच गया। वहीं इस लूटपाट की घटना के बाद ग्रामीणों द्वारा मंडावरी थाना क्षेत्र में विगत कई दिनों से लगातार बढ़ रही अपराधिक घटनाएं एवं लूटपाट चोरी की घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए थाना अधिकारी रामपाल मीणा की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खडे किए हैं। ग्रामीणों ने कहा कि मौजूदा थानाधिकारी रामपाल मीणा के कार्यकाल में मंडावरी थाना क्षेत्र में लूटपाट चोरी आदि की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है।

वहीं बैंक के शाखा प्रबंधक नेमीचंद मीणा द्वारा इस लूटपाट की वारदात को लेकर मंडावरी थाने में मामला दर्ज करवाया है। वहीं मामले को दर्ज कर पुलिस की विभिन्न टीमें अज्ञात लुटेरों की तलाश में सीसीटीवी फुटेजो एवं अन्य तकनीकी माध्यमों से उन तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

प्रवेश-पत्र अपलोड

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा संरक्षण अधिकारी (महिला अधिकारिता विभाग) परीक्षा-2022 के प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए गए हैं। आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक तथा एसएसओ पोर्टल में लॉगिन कर इन्हें डाउनलोड किया जा सकता हैं। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि उक्त परीक्षा जयपुर जिला मुख्यालय पर 28 जनवरी 2023 को आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी यथाशीघ्र समयान्तर्गत प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ठ कर डाउनलोड किए जा सकते हैं।

स्पाइसजेट एयरवेज के खिलाफ परिवाद पर दो लाख का जुर्माना

जोधपुर, (कासं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग प्रथम जोधपुर ने एक मामले में अप्रार्थी स्पाइसजेट एयरवेज लिमिटेड के खिलाफ पेश परिवाद को स्वीकार कर दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया। आयोग अध्यक्ष चंद्रकला जैन, सदस्य राजाराम सर्राफ व सदस्या अफसाना खान ने परिवादी गोकुलेश बोहरा का परिवाद स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया।

परिवादी की ओर से अधिवक्ता सीपी चौहान ने बताया कि परिवादी गोकुलेश बोहरा का विवाह 27 नवम्बर 2015 को हुआ था। हनीमून के लिए पैकेज बुक कराया था, जिसके लिए फ्लाइट बुक करानी थी। अप्रार्थी संख्या दो स्पाइसजेट की मुम्बई से कोच्चि के लिए फ्लाइट है, जो आपको वहां पहुंचा देगी। परिवादी ने जोधपुर से मुम्बई के लिए 13,990 रुपए और मुम्बई से कोच्चि के लिए दो टिकट के लिए 13,388 रुपए लिए गए।

कंपनी ने कहा फ्लाइट निकल गई:- परिवादी व उसकी पत्नी 19 दिसंबर 2015 को औपचारिकताएं पूरी कर मुम्बई रवाना हुए, लेकिन मुम्बई पहुंचने पर एयरपोर्ट पर बोर्डिंग पास के लिए स्पाइसजेट वालों ने परिवादी को मना कर दिया। कंपनी ने कहा कि आज की फ्लाइट निकल गई है। इस पर परिवादी मुम्बई में होटल में रुके, जिसका खर्चा भी हुआ। कोर्ट ने दो माह में परिवादी को खर्चे-हर्जे व क्षतिपूर्ति तथा विधिक व्यय के लिए दो लाख अदा करने के निर्देश दिए।

ख्वाजा साहब को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चढ़ाई चादर

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में चादर पेश कर देश में अमन-चैन की दुआ मांगी

अजमेर, (कासं)। ख्वाजा साहब के सालाना उर्स के मौके पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भेजी गई चादर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी के नेतृत्व में पेश की कर देश में अमन चैन की दुआ मांगी। खादिम सैयद अफशांन चिश्ती ने चादर पेश कराई। दरगाह में चादर पेश करने के दरगाह के मुख्य द्वार पर पीएम मोदी का संदेश दरगाह कमेटी के सदर शाहिद हुसैन रिजवी ने पढ़कर सुनाया। चिश्ती ने सभी की दस्तारबंदी कर प्रधानमंत्री के लिए ताबर्रुक भेंट किया। इस अवसर पर सैयद आदिल हुसैन, सैयद सलीम आफ़ताब,सैयद इमरान चिश्ती, सैयद अमान चिश्ती सैयद वज़ीर चिश्ती भी साथ रहे। अंजुमन सैयद ज़ादगान के सदर अलहाज गुलाम किब्रिया ने सभी दुआ की। सैयदज़ादगान की ओर से अंजुमन अध्यक्ष, सचिव व उपाध्यक्ष ने सभी की दस्तारबंदी की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में उर्स के अवसर पर विश्व भर में ख्वाजा साहब के अनुयायियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। संदेश में उन्होंने कहा कि दुनिया को प्रेमए सौहार्द और बंधुत्व का संदेश देने वाले महान सूफी संत के वार्षिक उर्स पर दरगाह शरीफ पर चादर भेजते हुए मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत में विभिन्न पंथों मान्यताओं और आस्थाओं का सद्भावपूर्ण सह अस्तित्व हमारे देश की समृद्ध विरासत है। हमारे देश में संतोंए पीरों व फकीरों ने शांति एकता और सद्भाव के पैगाम के जरिए राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने बाने को सदैव मजबूती प्रदान की है। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भारत की महान आध्यात्मिक परंपराओं के प्रतीक हैं। गरीब नवाज द्वारा की गई मानवता की सेवा निरंतर पीडितों को प्रेरणा देती रहेगी।

अजमेर में ख्वाजा साहब की दरगाह पर प्रधानमंत्री मोदी की ओर से चादर पेश की।

अनेकता में एकता हमारे देश की खूबसूरती है और सालाना उर्स विभिन्न मान्यताओं एवं आस्था के लोगों द्वारा इसी भावना को संजोते और सहजते हुए इसका उत्सव मनाने का अवसर है। आजादी के अमृत कालखंड में देश सामूहिक सामर्थ के जरिए प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए आगे कदम बढ़ा रहा है। मुझे विश्वास हैं कि सामूहिक सामर्थ के जरिए देश प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 811वें उर्स पर मैं दरगाह अजमेर शरीफ से देश की खुशहाली और समृद्धि की कामना करता हूं।

इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी, दरगाह कमेटी के अध्यक्ष सैयद शाही हुसैन रिजवी, भाजपा सांसद भागीरथ चौधरी, डिप्टी मेयर नीरज जैन, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सहित भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 को मालासेरी आएंगे

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 जनवरी सुबह 9.20 बजे दिल्ली एयरपोर्ट से रवाना होकर सुबह 10.30 बजे उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से 10.35 बजे हेलीकॉप्टर से मालासेरी के लिए रवाना होंगे। वे सुबह 11.25 बजे मालासेरी पहुंचेंगे। वे यहां पर भगवान देवनारायण की 1111वीं जयंती के मौके पर आयोजित अवतरण महोत्सव में भाग लेंगे। यहां से दोपहर 12.55 बजे हेलीकॉप्टर से वापस उदयपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होकर दिल्ली जाएंगे। आसींद क्षेत्र के मालासेरी में 28 जनवरी को पीएम की प्रस्तावित यात्रा से पहले ही भगवान देवनारायण की जन्मस्थली मालासेरी का स्वरूप बदल गया है। यहां गुर्जरों का मेला-सा लगने लगा है।

1100 महिलाओं की कलश यात्रा के साथ जन्मोत्सव का आगाज हुआ था, अब भगवान देवनारायण की 1111वीं जयंती पर 1100 किलो पीले चावल और यहां की पावन मिट्टी भेजकर देशभर में गुर्जर समाज को न्योता भेजा जा रहा है। इस धार्मिक यात्रा के बहाने मोदी गुर्जरों को साधने आ रहे हैं। मोदी की सभा के लिए 50 बीघा का मैदान और 5 हेलीपेड बनाए जा रहे हैं। मोदी यहां पर धार्मिक टूरिस्ट सर्किट की घोषणा कर सकते हैं। मोदी के कार्यक्रम के प्रभारी खुद केंद्रीय संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल हैं। केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय के अधिकारियों की टीम कई बार मालासेरी का दौरा कर चुकी है। ऐसे में इस दौरे को लेकर काफी उम्मीदें हैं।

- भगवान देवनारायण की जयंती महोत्सव में आएंगे मोदी

एसीबी ने उप निदेशक कृषि के खिलाफ दर्ज की शिकायत

जयपुर। एसीबी मुख्यालय की ओर से उप निदेशक कृषि उद्यान विभाग अजयसिंह शेखावत के खिलाफ आय से अधिक सम्पत्ति का मामला दर्ज कर किया गया। मामला दर्ज होने पर एसीबी की टीमें शेखावत के चार ठिकानों पर सर्च कर रही हैं। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की इंटेलिजेंस इकाई ने शिकायत मिलने पर शेखावत के जयपुर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर कार्यालय में स्थित चार ठिकानों पर सर्च कर रही हैं।

एडीजी एसीबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय की ओर से अजय सिंह शेखावत उप निदेशक कृषि उद्यान विभाग, डूंगरपुर के खिलाफ शिकायत का सत्यापन किया गया। जिस में आय से अधिक परिसम्पत्तियां अर्जित करने का मामला सामने आने पर प्रकरण दर्ज किया गया। एडिशनल एसपी आहद खान के नेतृत्व में ब्यूरो की टीमें जयपुर, चित्तौड़गढ़ एवं डूंगरपुर तथा इन्टेलिजेंस यूनिट के सहयोग से विभिन्न टीमों का गठन किया गया। आज सुबह से ही शेखावत के 4 विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की गई। अब तक मिले दस्तावेजों के अनुसार अजय सिंह शेखावत उप निदेशक कृषि उद्यान विभाग, डूंगरपुर एवं उनकी पत्नी किशन कंवर द्वारा अनेक परिसम्पत्तियां अर्जित करने का अनुमान हैं। जो उनकी वैध आय से अधिक है। उपनिदेशक द्वारा अपनी अवैध आय को जयपुर, चित्तौड़गढ़ में आवासीय, व्यावसायिक भूखण्डों, फ्लैटों एवं म्यूचल फण्ड इन्श्योरेन्स आदि में निवेश करना सामने आया हैं।

एसीबी के एडीजी दिनेश एम.एन. के निर्देशन में ए.सी.बी. की विभिन्न टीमों द्वारा आरोपी के ठिकानों पर सर्च जारी है। जिसमें और अधिक परिसम्पत्तियों का पता चलने की संभावना है। आरोपी के विरूद्ध आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का प्रकरण पीसी एक्ट में दर्ज गया हैं। आरोपी के ठिकानों पर कई दस्तावेज मिले हैं जिनकी जांच की जा रही हैं।

- उप निदेशक अजयसिंह शेखावत के चार ठिकानों पर एसीबी कर रही सर्च

पर्यावरण स्वीकृति आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आशियाना एकांश खसरा सं. 1790, 1791/1, 1791/2, 1792, 1793/1, 1793/2, 1794 व 1795 ग्राम-भांकरोटा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान जिसका भूखण्ड क्षेत्र 34816.61 वर्गमीटर है पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) से पत्र संख्या F1(4)/SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat-8a(21671)/2021-22 दिनांक 16.01.2023 तथा पहचान संख्या EC23B038RJ138855 दिनांक 20.01.2023 को प्रदान कर दी गई है। सहमति प्रपत्र की प्रति राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) के पास उपलब्ध है एवं पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वेबसाईट http://www.parivesh.nic.in पर भी उपलब्धहै

सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत जयपुर पहुंचे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत जयपुर प्रांत के पांच दिवसीय प्रवास पर बुधवार रात जयपुर पहुंचे।

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत जयपुर प्रांत के पांच दिवसीय प्रवास पर बुधवार रात जयपुर पहुंचे और 29 जनवरी तक रहेंगे।

जयपुर प्रांत के प्रांत संघचालक महेन्द्र सिंह मग्गो ने बताया कि डॉक्टर भागवत 26 जनवरी को केशव विद्यापीठ जामडोली में विद्यालय के गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे और प्रातः ध्वाजारोहण करेंगे। इसी दिन दोपहर में संघ प्रमुख कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में कार्यकर्ता सपरिवार उपस्थित रहेंगे। 27 जनवरी को वे जयपुर के संघ कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। इसी प्रकार 28 व 29 जनवरी को भी संघ के विभिन्न स्तर के कार्यकर्ताओं की बैठकों में शामिल होंगे। इस दौरान संघ के शताब्दी वर्ष की तैयारियों पर भी चर्चा करेंगे। बैठकों में समाज सशक्तिकरण की दिशा में चलने वाली गतिविधियों यथा कुटुम्ब प्रबोधन, सामाजिक समरसता और पर्यावरण पर भी मंथन होगा। उल्लेखनीय है कि सरसंघचालक का यह नियमित प्रवास है, जो दो वर्ष में एक बार प्रत्येक प्रांत में होता है। पिछले वर्ष चित्तौड़ प्रांत के उदयपुर में सरसंघचालक का प्रवास हुआ था।

देशभर में संघ के 45 प्रांत है, इसी प्रकार राजस्थान क्षेत्र में जयपुर, चित्तौड़ और जोधपुर प्रांत है। प्रवास के क्रम में प्रांत को वर्ष में एक बार सरसंघचालक और दूसरी बार सरकार्यवाह का प्रवास मिलता है। इस दौरान समाज सशक्तिकरण की दिशा में चल रहे विभिन्न कार्यों पर चर्चा होगी।

धारीवाल कोटा प्रवास पर

कोटा, (निसं)। स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल 26 जनवरी से तीन दिवसीय कोटा प्रवास पर रहेंगे।

आज से शुरू होगा कांग्रेस का 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान

■ केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ तैयार की गई चार्जशीट को घर-घर पहुंचाएगी कांग्रेस

जयपुर, (का.प्र.)। भारत जोड़ो यात्रा के फॉलोअप प्रोग्राम के रूप में 26 जनवरी से चलाए जाने वाले हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के जरिए कांग्रेस देश के 6 लाख गांव, 2.5 लाख ग्राम पंचायतों और 10 लाख मतदान बूथों में ब्लॉक अध्यक्षों और अन्य नेताओं की सहायता से केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ चार्जशीट बांटेगी।

भ्रष्ट जुमला पार्टी नाम से तैयार की गई चार्जशीट को कांग्रेस जनता के बीच लेकर पहुंचेगी, जिसमें सूट-बूट की लूट के तहत देश के 10 प्रतिशत अमीरों के पास देश की 64 प्रतिशत और 50 प्रतिशत आबादी के पास 6 प्रतिशत संपत्ति होना, किसानों की कर्ज माफी नहीं होकर अरबपतियों को 72 हजार करोड़ की कर्ज माफी, खास मित्रों को 30 प्रतिशत बंदरगाह, एयरपोर्ट, बिजली उत्पादन और कोयले की खदान देना समेत कई बिंदु शामिल हैं।

इसके अलावा मोदी की छवि चमकाने पर टैक्स पेयर का 10 हजार करोड़ का प्रचार पर खर्चा, 90 प्रतिशत गुप्त इलेक्टोरल बांड से भाजपा की सरकारी हफ्ता वसूली, पार्टी भाई-भतीजा जनता पार्टी बनी, जिसमें राजनीतिक घरानों के 20 मंत्री, 14 एमपी और 31 एमएलए शामिल हैं।

इसके साथ ही रोजगार, भुखमरी समेत कई बिंदु इस चार्जशीट में रखे गए हैं। कांग्रेस इसी चार्जशीट में केंद्र सरकार को चीन के मामले में भी घेरते दिखाई देगी, जिसमें उन्होंने साफ लिखा है कि भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीन का कब्जा है। वहीं, हंगर इंडेक्स में पाकिस्तान से भी नीचे है।

राजस्थान में भी 26 जनवरी से कांग्रेस की ओर से हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। इस अभियान के जरिए राजस्थान में कांग्रेस कार्यकर्ता हर ब्लॉक पर हर मतदान बूथ तक पहुंचेंगे। इस अभियान के जरिए कांग्रेस पार्टी की ओर से आम जनता को घर-घर जाकर केंद्र की मोदी सरकार की गलत नीतियों की चार्जशीट, राहुल गांधी का आम जनता के लिए संदेश, राजस्थान सरकार के जनता के लिए किए गए कामों की सीट के साथ ही हर घर में राहुल गांधी की तस्वीर लगा हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का स्टिकर लगेगा।

इस अभियान के लिए राजस्थान के प्रभारी बनाए गए आरसी खूंटियां भी अभियान के लिए जयपुर पहुंचेंगे, जो 26 जनवरी को अजमेर, 27 को भीलवाड़ा, 28 को चित्तौड़गढ़, 29 को उदयपुर और 30 जनवरी को राजसमंद में कार्यकर्ताओं के साथ हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा 27 जनवरी को अजमेर संभाग के हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और आम जनता संवाद करेंगे।

अगले दिन 28 जनवरी को राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जयपुर संभाग के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। राजधानी जयपुर में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की शुरुआत कांग्रेस नेता अर्चना शर्मा दोपहर 12:30 बजे मोती डूंगरी मंदिर से करेंगी।

खोया-पाया

मेरे प्लाट नं. A-24 लेन्ड मार्क सिटी के पेपर्स पट्टा विक्रय स्वीकृति आवंटन पत्र लीज प्रमाण पत्र लेन्ड मार्क सिटी कुन्हाड़ी से अदालत के बीच कही गिर गये है। जिस किसी को भी मिले कृपया निम्न को पहुंचाने या सूचना देने की कृपा करें।

अजय अग्रवाल
9818501133, 9352990448

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम लक्ष्मीचन्द पुत्र श्री पीरूलाल से बदलकर चंदालाल रख लिया है भविष्य में इसी नाम से जाना जाए पता ग्राम झित्या रामनगर पोस्ट कसार तहसील लाडपुरा, कोटा

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम अंजू देवी पत्नी मुकेश से बदलकर पिंटू देवी रख लिया है भविष्य में इसी नाम से जाना जाए पता ग्राम केवलनगर गुर्जर बस्ती तहसील लाडपुरा, कोटा

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

संख्या: उप.मु.इंजी./निविदा आमंत्रण सूचना/कोटा/02/2023, दिनांक: 23.01.2023

भारतसंघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), पश्चिम मध्य रेल, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **(1) निविदा संख्या:** उप मु. इंजी. (नि) कोटा-17-2022-आर-1 **कार्य का विवरण:** पश्चिम मध्य रेल के कोटा मंडल के मध्य प्रदेश राज्य में रामगंजमंडी-भोपाल नई लाइन परियोजना के संबंध में राजगढ़-बियावरा खंड के बीच किमी 145.00 से 146.50 तक नेवज नदी पर महत्वपूर्ण पुल (किमी 145.289-37 स्पैन x 30.50 मीटर कम्पोजिट गर्डर) की उप संरचना और सुपर-स्ट्रक्चर और वायाडक्ट, मिट्टी के काम और अन्य विविध कार्य निर्माण करना। **निविदा खुलने की तारीख:** 14.02.2023 **अनुमानित लागत:** ₹ 131,44,37,925.72/- (दो चरण की रिवर्स नीलामी)। पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई ई.निविदा में तथा मुख्य परियोजना प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, कोटा के कार्यालय नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है। ऑफर सिर्फ ई. निविदा के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेगें। ई. निविदा के अतिरिक्त किसी भी अन्य माध्यम से निविदा ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें।

उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), प.म.रे., कोटा

वैक्सीन अवश्य लगवाएं, जीवन के हर सफर को सुरक्षित बनाएं!

पारितोषिक वितरण समारोह संपन्न

बूंदी (निसं)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ा तोपखाना में वार्षिक उत्सव का आयोजन हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक चर्मेश शर्मा रहे, मुख्यवक्ता शहर थानाधिकारी सहदेव मीणा व अध्यक्षता नगर परिषद के उपसभापति लटूर भाई ने की व लायंस क्लब बूंदी अध्यक्ष निशांत नुवाल, व स्थानीय वार्ड पार्षद अंकित बूलीवाल कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे। संस्था प्रधान हरिराज सिंह हाडा ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ थीम, पर्यावरण बचाओ संदेश तथा खेल खेल में आनंदमय शिक्षा जैसी थीम पर बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई प्रस्तुतियों की अतिथियों व अभिभावकों द्वारा सराहना की गई। अतिथियों द्वारा सभापति मधु नुवाल के समन्वय से विद्यालय की मरम्मत के लिए नगर परिषद से 500000 रुपये की राशि स्वीकृत करवाने काआश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के अंत में लायंस क्लब अध्यक्ष निशांत नुवाल द्वारा बच्चों के बीच अपना जन्मदिन मनाया गया।

31 जनवरी तक करवाएं रजिस्ट्रेशन ताकि 1 फरवरी से मिलने लगे मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ

बूंदी (निसं)। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 31 जनवरी 2023 तक योजना में पंजीकरण करवाने पर 1 फरवरी 2023 से योजना में निःशुल्क उपचार का लाभ ले सकेंगे। 31 जनवरी 2023 के बाद रजिस्ट्रेशन करवाने पर आमजन को योजना का लाभ 1 मई 2023 से मिल पाएगा। यह राजस्थान सरकार की सबसे बड़ी फ्लैगशिप योजना है, जिसमें प्रदेश का कोई भी परिवार 850 रुपए देकर योजना से जुड़ सकता है। योजना से जुडऩे के लिये उम्र, आयु, वर्ग, आय की कोई बाध्यता नही है। सीएमएचओ डॉ. ओ पी सामर ने बताया कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में जल्द स्वास्थ्य लाभ पाने के लिए नागरिक 31 जनवरी 2023 तक रजिस्ट्रेशन करवा लें। 31 जनवरी तक रजिस्ट्रेशन करवाने पर परिवार को 1 फरवरी 2023 से योजना लाभ ले सकेंगे। 31 जनवरी के बाद रजिस्ट्रेशन करवाने पर योजना का लाभ 1 मई 2023 से मिल पाएगा। इसलिए वंचित परिवार ई-मित्र पर 850 रुपए जमा करवाकर मंगलवार 31 जनवरी तक आवश्यक रूप से चिरंजीवी योजना में रजिस्ट्रेशन करवाएं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना 1 मई 2021 से शुरु की गई थी। जिन परिवारों की पॉलिसी 31 जनवरी 2023 तक वैद्य है, वें भी 31 जनवरी तक पॉलिसी रिन्यू करवाना सुनिश्चित करें। इसके बाद पंजीकरण अथवा पॉलिसी रिन्यू करवाने पर पंजीकृत परिवार को 1 मई 2023 से योजना में उपचार ले सकेंगे।

होमगार्ड कल्याण कोष की राशि अन्य मदों में खर्च नहीं हो : हाईकोर्ट

जयपुर। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अंतरिम आदेश देते हुए कहा है कि प्रकरण के निस्तारण तक होमगार्ड कल्याण कोष में जमा राशि का उपयोग होमगार्ड के लिए ही किया जाए। इसके अलावा यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी पैसा अन्य गतिविधियों में खर्च नहीं हो। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश होमगार्ड समन्वय समिति की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार की ओर से प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी हजारों होमगार्ड के वेतन से प्रतिवर्ष राशि लेकर होमगार्ड कल्याण कोष बनाया गया है। इसमें होमगार्ड और उसके परिवार के कल्याण के लिए दैनिक वेतन से दस फीसदी राशि का संग्रहण किया जाता है, लेकिन इस फंड की कोई ऑडिट नहीं की जाती। इस कोष में करोड़ों रुपए की राशि जमा हो चुकी है।

वहीं होमगार्ड से जुडे आलाधिकारी भी नाममात्र का अंशदान कर इस फंड के सदस्य बन जाते हैं। वहीं फंड में जमा धनराशि का उपयोग होमगार्ड कल्याण के बजाए विभाग में फर्नीचर खरीद, कार पार्किंग के शेड निर्माण, और गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों आदि पर खर्च किया जा रहा है। इस राशि को होमगार्ड के प्रोविडेंट फंड में हस्तांतरित करने के लिए बाध्य होने के बावजूद भी सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

वहीं भविष्य निधि विभाग भी मान चुका है कि इसके लिए पिछले एक दशक से राज्य सरकार से पत्राचार किया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि पीएफ में राशि जमा नहीं कराने पर दंड का प्रावधान है, लेकिन सरकार की ओर से यह राशि जमा नहीं कराई जा रही है। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने कहा है कि याचिका के लंबित रहने के दौरान इस कोष में जमा राशि का अन्य उपयोग नहीं किया जाए।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय अति सिविल न्यायाधीश क्रम 1 दक्षिण कोटा

वाद संख्या 680-2022

प्रार्थना पत्र संख्या 557/22

देवेन्द्र कुमार विरुद्ध विजेन्द्र विजय

बनाम (1) इस्माईल पुत्र स्व. अब्दुल हुसैन जाति मुस्लिम नेशनल टाईपिंग सेन्टर भीमगंजमंडी कोटा

(2) विक्रम जैन पुत्र भागचन्द जैन जाति जैन 4 ब 54 विज्ञान नगर कोटा (राज.)

(3) श्रीमती गीतिका चतुर्वेदी पत्नी विजय कुमार जाति ब्राह्मण 4 डी 17 दादाबाड़ी कोटा

वादी ने आपके विरूद्ध वाद के लिये संस्थित किया जाता है। आपका इस न्यायालय में तारीख 15.02.2023 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) के लिए समय दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वंय या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्पर्क अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें। जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लेखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 09 माह 01 सन् 2023 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

आदेशानुसार
रीडर (चीफ मिनिस्ट्रियल ऑफिसर)
अति. सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग क्रम-1 (दक्षिण) कोटा

वात्सल्य योजना व आवासीय बच्चों की समस्याओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

बूंदी (निसं)। जिला बाल संरक्षण इकाई के तत्वाधान में सहायक निदेशक रामराज मीना की अध्यक्षता में जिले में संचालित राजकीय एवं गैर राजकीय बाल देखरेख संस्थानों के प्रभारी अधिकारियों ,चाइल्डलाइन बूंदी वं बाल कल्याण समिति बूंदी के साथ वात्सल्य योजना के प्रावधानों एवं बाल देखरेख संस्थानों में आवासीय बच्चों की समस्याओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान लंबी अवधि से आवासीय बच्चों को अन्य गैर संस्थागत सरकारी योजनाओं से जोड़कर पुनर्वास करने के एवं बाल देखरेख संस्थानों में किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत नियमानुसार बच्चों को प्रवेश दिए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान अध्यक्ष बाल कल्याण समिति सीमा पोद्दार ने सभी बाल देखरेख संस्थानों को बाल देखरेख संस्थाओं में को आवश्यक निर्देश दिए गए।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक: LU2012/KOT/2022-23/100393 **लोक सूचना** दि. 24.01.2023

श्री BHUVNESHWAR SHARMA पुत्र श्री PRAKASH CHAND SHARMA जाति BRAHMIN निवासी SHASTRI NAGAR DADABADI, KOTA श्री GYAN CHAND SHARMA पुत्र श्री PRAKASH CHAND SHARMA जाति BRAHMIN निवासी SHASTRI NAGAR DADABADI, KOTA श्री INDU SHARMA पत्नी श्री GYAN CHAND SHARMA जाति BRAHMIN निवासी SHASTRI NAGAR DADABARI, KOTA श्री ISHWAR CHAND SHARMA पुत्र श्री PRAKASH CHAND SHARMA जाति BRAHMIN निवासी SHASTRI NAGAR DADABARI, KOTA श्री NISHA SHARMA पत्नी श्री ISHWAR CHAND SHARMA जाति BRAHMIN निवासी SHASTRI NAGAR DADABARI, KOTA ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का पर्यटन इकाई प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	गणेशपुरा, लाडपुरा (कोटा)	BHUVNESHWAR SHARMA, GYAN CHAND, ISHWAR CHAND SONS OF PRAKASH CHAND & INDU W/O GYAN CHAND, NISH W/O ISHWAR CHAND	13	500	0.05
2.	गणेशपुरा, लाडपुरा (कोटा)	BHUVNESHWAR SHARMA, GYAN CHAND, ISHWAR CHAND SONS OF PRAKASH CHAND & INDU W/O GYAN CHAND, NISH W/O ISHWAR CHAND	15	300	0.03
3.	गणेशपुरा, लाडपुरा (कोटा)	BHUVNESHWAR SHARMA, GYAN CHAND, ISHWAR CHAND SONS OF PRAKASH CHAND & INDU W/O GYAN CHAND, NISH W/O ISHWAR CHAND	17	5000	0.5
4.	गणेशपुरा, लाडपुरा (कोटा)	BHUVNESHWAR SHARMA, GYAN CHAND, ISHWAR CHAND SONS OF PRAKASH CHAND & INDU W/O GYAN CHAND, NISH W/O ISHWAR CHAND	23/11	3100	0.31
				कुल	0.89

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 24/01/2023 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4170 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 24.1.23

आवास संख्या 1-डी-22 तलवण्डी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्रीमती विजय परिहार पत्नी श्री सी.आर. परिहार को किया गया था। श्रीमती विजय परिहार के अनुरोध पर उनके पति श्री छगनराज परिहार पुत्र श्री ओटरमल परिहार का नाम दिनांक 07.05.1987 को संयुक्त रुप से जोड़ा गया है। इस आवास का पंजीयन श्रीमती विजय परिहार पत्नी श्री सी.आर. परिहार एवं श्री सी.आर. परिहार पुत्र श्री ओटरमल परिहार द्वारा दिनांक 30.07.1992 को अपने पक्ष में संयुक्त रुप से करवाया जा चुका है। श्री छगनराज परिहार (सी.आर. परिहार) पुत्र श्री ओटरमल परिहार की मृत्यु दिनांक 09.05.2005 को हो चुकी है। श्री छगनराज परिहार (सी.आर. परिहार) की मृत्यु हो जाने के कारण उनके वारीसानों श्रीमती विजय परिहार पत्नी स्व. श्री छगनराज परिहार एवं श्रीमती रीटा परिहार पत्नी श्री राजेश वर्मा पुत्री स्व. श्री छगनराज परिहार द्वारा उक्त आवास में रिलीज डीड आलेखित कर दिनांक 15.05.2012 को अपने पुत्र श्री कमल परिहार पुत्र स्व. श्री छगनराज परिहार के पक्ष में किया गया। श्रीमती विजय परिहार पत्नी श्री छगनराज परिहार द्वारा दान जरिये दान पत्र 1/2 हिस्से का अविभाजित आलेखित कर दिनांक 15.05.2012 को मेरे पुत्र श्री कमल परिहार पुत्र स्व. श्री छगनराज परिहार को किया गया। श्री कमल परिहार पुत्र स्व. श्री छगनराज परिहार का नाम दिनांक 19.08.2021 को मंडल अभिलेख में दर्ज किया जा चुका है। तत्पश्चात श्री कमल परिहार पुत्र स्व. श्री छगनराज परिहार (सी.आर. परिहार) द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 02.11.2022 को श्रीमती सोनल जैन पत्नी श्री अमित दुगड़ को किया गया। श्रीमती सोनल जैन पत्नी श्री अमित दुगड़ द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती सोनल जैन पत्नी श्री अमित दुगड़ के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती सोनल जैन पत्नी श्री अमित दुगड़ का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती सोनल जैन पत्नी श्री अमित दुगड़ के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4167 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 24.1.23

आवास संख्या 1-डी-30 तलवण्डी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्रीमती उर्मिला उत्तम चन्दाणी पत्नी श्री ए.डी. उत्तम चन्दाणी को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्रीमती उर्मिला उत्तम चन्दाणी पत्नी श्री ए.डी. उत्तम चन्दाणी के नाम दिनांक 24.12.1994 को किया गया। पंजीयन उपरांत श्रीमती उर्मिला उत्तम चन्दाणी पत्नी श्री ए.डी. उत्तम चन्दाणी द्वारा इस आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 23.01.2016 को श्री जितेन्द्र उत्तम चन्दाणी पुत्र श्री अर्जन दोलत राम उत्तम चन्दाणी को मुख्तारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री जितेन्द्र उत्तम चन्दाणी पुत्र श्री अर्जन दोलत राम उत्तम चन्दाणी द्वारा मुख्तार आम धारक की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 04.02.2016 को श्री नवीन नारंग पुत्र श्री हरभगवान नारंग को किया गया। श्री नवीन नारंग पुत्र श्री हरभगवान नारंग का नाम दिनांक 16.08.2018 को मंडल अभिलेख में दर्ज किया जा चुका है। तत्पश्चात श्री नवीन नारंग पुत्र श्री हरभगवान नारंग द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 28.12.2021 को श्री आशीष आहूजा पुत्र श्री अजय आहूजा एवं श्री अजय आहूजा पुत्र श्री सोहन लाल आहूजा को संयुक्त रुप से किया गया। श्री आशीष आहूजा पुत्र श्री अजय आहूजा एवं श्री अजय आहूजा पुत्र श्री सोहन लाल आहूजा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में संयुक्त रुप से दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री आशीष आहूजा पुत्र श्री अजय आहूजा एवं श्री अजय आहूजा पुत्र श्री सोहन लाल आहूजा के नाम संयुक्त रुप से दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री आशीष आहूजा पुत्र श्री अजय आहूजा एवं श्री अजय आहूजा पुत्र श्री सोहन लाल आहूजा का नाम संयुक्त रुप से दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री आशीष आहूजा पुत्र श्री अजय आहूजा एवं श्री अजय आहूजा पुत्र श्री सोहन लाल आहूजा के नाम संयुक्त रुप से दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4165 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 24.1.23

आवास संख्या 1-जी-9 कुन्हाड़ी कोटा खुली बिक्री का आवंटन मंडल द्वारा डॉ. सीताराम वर्मा पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण वर्मा को किया गया है। इस आवास का पंजीयन डॉ. सीताराम वर्मा पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण वर्मा द्वारा दिनांक 30.05.2005 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरांत डॉ. सीताराम वर्मा पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण वर्मा द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 23.12.2014 को श्री अरुण डाणी पुत्र श्री बजरंग लाल अग्रवाल एवं श्री अलोक डाणी पुत्र श्री बजरंग लाल अग्रवाल को संयुक्त रुप से किया गया है। श्री अरुण डाणी पुत्र श्री बजरंग लाल अग्रवाल एवं श्री अलोक डाणी पुत्र श्री बजरंग लाल अग्रवाल के नाम दिनांक 19.02.2015 को संयुक्त रुप से कार्यालय आदेश जारी किया जा चुका है। श्री अरुण डाणी पुत्र श्री बजरंग लाल अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 14.02.2020 को हो चुकी है। श्री अरुण डाणी पुत्र श्री बजरंग लाल अग्रवाल की मृत्यु पश्चात उक्त आवास में निहित अपने आधे हिस्से सम्पत्ति के मालिक स्वामी व काबिज मेरी पत्नी श्रीमती अगम डाणी के पक्ष में वसीयत आलेखित की गई है। इस आवास का हस्तान्तरण वसीयत नामे के आधार पर दिनांक 06.02.2020 को श्रीमती अगम डाणी पत्नी स्व. श्री अरुण डाणी के नाम किया गया है। मंडल द्वारा जारी कार्यालय आदेश क्रमांक 4386 दिनांक 30.12.2020 श्रीमती अगम डाणी पत्नी स्व. श्री अरुण डाणी का नाम मंडल अभिलेख में दर्ज किया जा चुका है। श्री आलोक डाणी पुत्र श्री बजरंग लाल अग्रवाल व श्रीमती अगम डाणी पत्नी स्व. श्री अरुण डाणी के द्वारा उक्त आवास का बैचान विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 15.11.2022 को श्री नरेन्द्र सैनी पुत्र श्री चुन्नीलाल सैनी को आवास का विक्रय पत्र के आधार पर बैचान किया गया है। श्री नरेन्द्र सैनी पुत्र श्री चुन्नीलाल सैनी द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास के मंडल अभिलेख में अपना नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः इस आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री नरेन्द्र सैनी पुत्र श्री चुन्नीलाल सैनी का नाम दर्ज करने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि इस आवास के मंडल अभिलेख में श्री नरेन्द्र सैनी पुत्र श्री चुन्नीलाल सैनी का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में श्री नरेन्द्र सैनी पुत्र श्री चुन्नीलाल सैनी का नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4113 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 20.1.23

आवास संख्या 12/259 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री हीरा लाल पुत्र श्री नाथू मल को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती सुनीता पाटनी पत्नी श्री संदीप पाटनी के नाम दिनांक 08.10.2018 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती सुनीता पाटनी पत्नी श्री संदीप पाटनी के नाम दिनांक 18.12.2018 को किया गया। पंजीयन उपरांत श्रीमती सुनीता पाटनी पत्नी श्री संदीप पाटनी द्वारा इस आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 17.06.2021 को श्रीमती गुड्डी कंवर पत्नी श्री महेन्द्र सिंह हाड़ा को मुख्तारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्रीमती गुड्डी कंवर पत्नी श्री महेन्द्र सिंह हाड़ा द्वारा मुख्तार आम धारक की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 01.11.2022 को श्रीमती सुरभि विजय पुत्री श्री ओम प्रकाश विजय पत्नी श्री विवेक विजय को किया गया। श्रीमती सुरभि विजय पुत्री श्री ओम प्रकाश विजय पत्नी श्री विवेक विजय द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती सुरभि विजय पुत्री श्री ओम प्रकाश विजय पत्नी श्री विवेक विजय के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती सुरभि विजय पुत्री श्री ओम प्रकाश विजय पत्नी श्री विवेक विजय का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती सुरभि विजय पुत्री श्री ओम प्रकाश विजय पत्नी श्री विवेक विजय के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3933 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 9.1.23

आवास संख्या 12/37 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्रीमती कमलेश शर्मा पत्नी श्री राकेश शर्मा को किया गया था। श्रीमती कमलेश शर्मा पत्नी श्री राकेश शर्मा द्वारा इस आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 24.06.2004 को श्री दीपक कुमार जैन पुत्र श्री सन्तोष चंद जैन को अपना मुख्तार आम धारक नियुक्त किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती कमलेश शर्मा पत्नी श्री राकेश शर्मा एवं मुख्तार आम धारक श्री दीपक कुमार जैन पुत्र श्री सन्तोष चंद जैन के नाम दिनांक 04.03.2010 को किया गया। पंजीयन उपरांत श्रीमती कमलेश शर्मा पत्नी श्री राकेश शर्मा एवं मुख्तार आम धारक श्री दीपक कुमार जैन पुत्र श्री सन्तोष चंद जैन द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 07.06.2010 को श्री हेमराज नागर पुत्र श्री भोजराज नागर को किया गया। श्री हेमराज नागर पुत्र श्री भोजराज नागर का नाम दिनांक 25.08.2010 को मंडल अभिलेख में कार्यालय आदेश जारी किया जा चुका है। तत्पश्चात श्री हेमराज नागर पुत्र श्री भोजराज नागर द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 19.04.2012 को श्री सुरेश कुमार पंकज पुत्र श्री प्रीतम पंकज को किया गया। श्री सुरेश कुमार पंकज पुत्र श्री प्रीतम पंकज का नाम दिनांक 18.08.2021 को मंडल अभिलेख में दर्ज किया जा चुका है। तत्पश्चात श्री सुरेश कुमार पंकज पुत्र श्री प्रीतम पंकज द्वारा उक्त आवास के संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 21.06.2021 को श्रीमती सीमा अग्रवाल पत्नी श्री भगवती अग्रवाल को अपना मुख्तार आम धारक नियुक्त किया गया। श्रीमती सीमा अग्रवाल पत्नी श्री भगवती अग्रवाल द्वारा मुख्तार आम धारक की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 05.05.2005 को श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री मोहन लाल को किया गया। श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री मोहन लाल द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः इस आवास के मंडल अभिलेख में श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री मोहन लाल का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 10 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि इस आवास के मंडल अभिलेख में श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री मोहन लाल का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में श्री दिनेश चन्द अग्रवाल पुत्र स्व. श्री रामविलास का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4111 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 20.1.23

आवास संख्या 3/11 गणेश तालाब कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री कन्हैया लाल वर्मा पुत्र श्री घन्ना लाल को किया गया था। श्री कन्हैया लाल वर्मा पुत्र श्री घन्ना लाल की मृत्यु दिनांक 14.12.1995 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन दिनांक 13.02.1998 को इनकी पत्नी श्रीमती राम कन्या बाई पत्नी स्व. श्री कन्हैया लाल वर्मा के नाम किया गया। श्रीमती राम कन्या बाई पत्नी स्व. श्री कन्हैया लाल वर्मा द्वारा इस आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से मुख्तारनामा, वसीयतनामा, इकरारनामा आलेखित कर दिनांक 22.12.1997 को श्रीमती गीता देवी जैन पत्नी स्व. श्री तेजमल जैन को किया गया। इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती गीता देवी जैन पत्नी स्व. श्री तेजमल जैन के नाम दिनांक 30.04.2002 को किया गया। श्रीमती गीता देवी जैन पत्नी स्व. श्री तेजमल जैन की मृत्यु दिनांक 13.02.2002 को हो चुकी है। श्रीमती गीता देवी जैन की मृत्यु उपरांत उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन दिनांक 19.05.2003 को इनके पुत्र श्री मुकेश जैन पुत्र स्व. तेजमल जैन के नाम किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री मुकेश जैन पुत्र स्व. तेजमल जैन द्वारा दिनांक 11.08.2003 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरांत श्री मुकेश जैन पुत्र स्व. तेजमल जैन द्वारा इस आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 07.02.2004 को श्री बाबूलाल सोनी पुत्र श्री चिरंजीलाल सोनी को मुख्तारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री बाबूलाल सोनी पुत्र श्री चिरंजीलाल सोनी द्वारा मुख्तार आम धारक की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 23.04.2004 को श्रीमती प्रेमवती सोनी पत्नी श्री केशव लाल सोनी को किया गया। श्रीमती प्रेमवती सोनी पत्नी श्री केशव लाल सोनी द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती प्रेमवती सोनी पत्नी श्री केशव लाल सोनी के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती प्रेमवती सोनी पत्नी श्री केशव लाल सोनी का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्रीमती प्रेमवती सोनी पत्नी श्री केशव लाल सोनी के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

कार्यालय नगरपालिका सांगोद जिला कोटा (राज.)

क्रमांक/न.पा.सा./भूमि/2022-23/336 **आपत्ति सूचना** दिनांक:-23.1.2023

सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि निम्न आवेदकों द्वारा पट्टा नामान्तरण हेतु आवेदन किया है। उक्त आवेदन पर किसी को कोई आपत्ति हो तो नगर पालिका कार्यालय में 7 दिवस में मय सबूत अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। अन्यथा बाद मियाद गुजरने के बाद एक तरफा कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र. सं.	आवेदक	मूल पट्टा धारक का नाम	विवरण	भूखंड का विवरण	भूखंड की स्थिति
1	श्री ललित किशोर शर्मा/ श्रीराम शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी नई सब्जी मण्डी के सामने सांगोद	श्री मधूसूधन/ कन्हैयालाल	पट्टा क्रमांक 53 दिनांक 26.02.1977 को 630 वर्गफीट	उत्तर-आम रास्ता दक्षिण-प्लाट नं. 02, 03 पूर्व-प्लाट 12 पश्चिम-प्लाट नं. 10	नई सब्जी मण्डी के सामने सांगोद

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सांगोद

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ 11/विक्रय/2023/563 **विज्ञप्ति** दिनांक:-25.1.2023

नगर विकास न्यास कोटा की योजना श्रीनाथपुरम-ए आवासीय कम व्यवसायिक का भूखण्ड/आवास संख्या 43 को आवंटन/नीलामी न्यास के पत्र दिनांक 31.05.2021 को श्रीमती अजिदा बानो पत्नि श्री लतीफ मोहम्मद को आवंटन किया गया था। उक्त भूखण्ड की रजिस्ट्री जर्ये मुख्तारआम श्रीमती किरण जैन पत्नि श्री राजेश जैन द्वारा नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस रजिस्ट्री की स्वीकृति देने में किसी को कोई ऐतराज हो तो अन्दर 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 43 योजना श्रीनाथपुरम-ए आवासीय कम व्यवसायिक की रजिस्ट्री स्वीकृति श्रीमती अजिदा बानो पत्नि श्री लतीफ मोहम्मद जर्ये मुख्तारआम श्रीमती किरण जैन पत्नि श्री राजेश जैन के नाम जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ 5/पुर्नवास/2023/1079 **विज्ञप्ति** दिनांक:-24.1.2023

नगर विकास न्यास कोटा की योजना श्रीनाथपुरम-सी भूखण्ड संख्या 437 का आवंटन न्यास के पत्र दिनांक 08.04.1996 से श्रीमान भँवर लाल पुत्र श्री जगन्नाथ जी को जारी किया गया था। जिसकी रजिस्ट्री जर्ये मुख्तारआम श्रीमती सुशीला पत्नि श्री राजेश वर्मा जी द्वारा नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस रजिस्ट्री की स्वीकृति देने में किसी को कोई ऐतराज हो तो अन्दर 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड संख्या 437 योजना श्रीनाथपुरम-सी की रजिस्ट्री स्वीकृति श्रीमान भँवर लाल पुत्र श्री जगन्नाथ जी के नाम जर्ये मुख्तारआम श्रीमती सुशीला पत्नि श्री राजेश वर्मा के द्वारा जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ 11/विक्रय/2022/1407 **विज्ञप्ति** दिनांक:-24.1.2023

न्यास कार्यालय की रानपुर आवासीय योजना में दुकान/भूखण्ड/आवास संख्या ई-317 का आवंटन नामांतरण पत्र क्रमांक 88 दिनांक 16.05.2013 के द्वारा श्री रूपचन्द जैन पुत्र श्री नेमीचन्द जैन को किया गया था। श्री रूपचन्द जैन पुत्र श्री नेमीचन्द जैन की मृत्यु दिनांक 15.05.2004 को हो चुकी है। श्री रूपचन्द जैन पुत्र श्री नेमीचन्द जैन के विधिक वारिसान के शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं प्रस्तुत रिलीज डीड के आधार पर उक्त भूखण्ड का नामांतरण श्री राकेश जैन पुत्र स्व. श्री रूपचन्द जैन के नाम किये जाने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः जिस किसी को भी उक्त दुकान/भूखण्ड/आवास के हस्तानांतरण मृत्यु उपरांत श्री राकेश जैन पुत्र स्व. श्री नेमीचन्द जैन के नाम किये जाने में कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम में अपनी आपत्ति दर्ज करावे अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त दुकान/भूखण्ड/आवास का स्वामित्व हस्तानांतरण श्री राकेश जैन पुत्र स्व. श्री रूपचन्द जैन के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-519 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-17.1.23

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना विश्वकर्मा ऑटोमोबाईल नगर स्पेशल व्यावसायिक योजना के भूखंड संख्या 134 का आवंटन मैसर्स जनरल मोटर गैराज प्रो. श्री सिद्दिकी हुसैन आवंटन क्रमांक 426 दिनांक 13.12.2000 को किया गया था। आवंटी श्री सिद्दिकी हुसैन पुत्र श्री हैदर हुसैन द्वारा उक्त भूखंड का मुख्तारआम श्री राजकमल नागर पुत्र श्री भवानी शंकर नागर को मुख्तारआम नियुक्त किया गया। मुख्तारआम श्री राजकमल नागर पुत्र श्री भवानी शंकर नागर द्वारा उक्त भूखंड संख्या 134 विश्वकर्मा ऑटोमोबाईल नगर स्पेशल व्यावसायिक योजना को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 08.06.2022 से श्री राजकुमार गौड़ पुत्र श्री सत्यनारायण गौड़ को विक्रय कर दिया है। क्रेता श्री राजकुमार गौड़ पुत्र श्री सत्यनारायण गौड़ के द्वारा नाम हस्तान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड 134 विश्वकर्मा ऑटोमोबाईल नगर स्पेशल व्यावसायिक योजना का हस्तान्तरण श्री राजकुमार गौड़ पुत्र श्री सत्यनारायण गौड़ के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2022/2215 **विज्ञप्ति** दिनांक:-24.1.2022

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कुन्हाड़ी में स्थित कृषि भूमि योजना कृष्णा विहार खसरा नं. 375/450 में स्थित भूखंड संख्या 69 आवेदक श्री चक्षु जैन पुत्र श्री चन्द्रप्रकाश जैन एवं श्रीमती शशि जैन पत्नी श्री चन्द्रप्रकाश जैन निवासी 1-म-12 विज्ञान नगर कोटा नाम हस्तान्तरण हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा आदेश क्रमांक 522 दिनांक 18.05.2022 को श्रीमती राजेश बाई पत्नी श्री सत्यनारायण पारेता के नाम जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखंड का बैचान रजि. विक्रय पत्र दिनांक 16.08.2022 को जर्ये मुख्तारआम श्रीमती सुनिता सुवालका पत्नी श्री महावीर सुवालका पुत्री श्री सत्यनारायण पारेता द्वारा आवेदक के पक्ष में किया गया है।

अतः श्री चक्षु जैन पुत्र श्री चन्द्रप्रकाश जैन एवं श्रीमती शशि जैन पत्नी श्री चन्द्रप्रकाश जैन के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-559 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-25.1.23

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना श्रीनाथपुरमपुरम-डी आवासीय भूखंड संख्या 207 का आवंटन श्री रामकिशन अजमेरा पुत्र श्री गुडकी लाल अजमेरा को आवंटन क्रमांक 1547 दिनांक 17.05.1993 को किया गया था। आवंटी श्री रामकिशन अजमेरा पुत्र श्री गुडकी लाल अजमेरा की मृत्यु दिनांक 28.11.2010 को हो चुकी है। मृत्यु उपरांत क्रेता के वसीयती हकदार श्री गणेश अजमेरा पुत्र स्व. श्री रामकिशन अजमेरा द्वारा हकत्याग पत्र (रिलीज डीड), मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की प्रति पेश कर नाम हस्तान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड 207 श्रीनाथपुरमपुरम-डी आवासीय योजना का नाम हस्तान्तरण श्री गणेश अजमेरा पुत्र स्व. श्री रामकिशन अजमेरा के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-534 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-24.1.23

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना केशवपुरा-7 के भूखंड/आवास संख्या 203 श्री मेहताब सिंह पुत्र श्री मोतीलाल को न्यास के पत्र दिनांक 13.11.1989 को आवंटन किया गया था। आवंटी श्री मेहताब सिंह पुत्र श्री मोतीलाल द्वारा उक्त भूखंड का विक्रय जर्ये मुख्तारआम से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 07.0.2007 के द्वारा श्री कृष्ण वल्लभ कक्कड पुत्र श्री गोविन्द लाल कक्कड को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता श्री कृष्ण वल्लभ कक्कड की मृत्यु दिनांक 16.01.2020 को हो चुकी है। क्रेता द्वारा अपने जीवनकाल में श्री दीनदयाल पांचाल पुत्र श्री विशन लाल पांचाल के नाम वसीयत निष्पादित कर रखी थी। मृत्यु उपरांत क्रेता के विधिक वारिसान प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा, शपथ पत्र, आईडी इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखंड/आवास श्री दीनदयाल पांचाल पुत्र श्री विशन लाल पांचाल के नामहस्तान्तरण की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 203 योजना केशवपुरा-7 का नाम हस्तान्तरण श्री दीनदयाल पांचाल पुत्र श्री विशन लाल पांचाल के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-535 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-24.1.23

नगर विकास न्यास कोटा की योजना स्टोनमण्डी बिल्डिंग मेटेरियल यार्ड झालावाड़ रोड व्यवसायिक में भूखंड/आवास संख्या 101 मै. सुमति स्टोन सप्लायर्स प्रो. श्री महेन्द्र कुमार को आवंटन न्यास के पत्र दिनांक 19.05.1986 को आवंटन किया गया था। आवंटी प्रो. श्री महेन्द्र कुमार की मृत्यु दिनांक 09.02.2017 को हो चुकी है। मृत्यु उपरांत आवंटी के विधिक वारिसान श्री पंकज जैन पुत्र स्व. श्री महेन्द्र कुमार द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, हक त्याग पत्र, शपथ पत्र, वारिसान शपथ पत्र, आई.डी. व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर भूखंड/आवास संख्या 101 स्टोनमण्डी बिल्डिंग मेटेरियल यार्ड झालावाड़ रोड व्यवसायिक अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 101 योजना स्टोनमण्डी बिल्डिंग मेटेरियल यार्ड झालावाड़ रोड व्यवसायिक का नाम हस्तान्तरण श्री पंकज जैन पुत्र स्व. श्री महेन्द्र कुमार के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

13वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया

- नवमतदाताओं का अभिनन्दन, श्रेष्ठ कार्य के लिए सम्मान मिला
- लोकतंत्र में अधिकाधिक भागीदारी का लें संकल्प : जिला निर्वाचन अधिकारी

कोटा, (निसं)।13वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस बुधवार को सूचना केन्द्र के सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी ओपी बुनकर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। जिसमें 18-19 वर्ष आयु के नए पंजीकृत मतदाताओं एवं निर्वाचन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ एवं अन्य कार्मिकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित मतदाताओं व नागरिकों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई तथा नए पंजीकृत मतदाताओं को ''मतदाता होने पर गर्व है मतदान के लिए तैयार है'' पर आधारित बैज भी वितरित किए गए। इस अवसर पर अपने संबोधन में जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि यह हमारे लोकतंत्र की ही ताकत है कि कमजोर और पिछड़े वर्ग को भी शीर्ष प्रतिनिधित्व मिला है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अधिकाधिक भागीदारी के लिए निर्वाचन आयोग ने व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं में सरलीकरण किया है। अब मतदाता पंजीकरण के लिए 18 वर्ष आयु पूर्ण होने के इंतजार के बजाय 17 वर्ष पूर्ण होने पर भी पंजीकरण कराया जा सकता है जिससे 18 वर्ष आयु पूर्ण होते ही मतदाता के रूप में पंजीकरण हो जाएगा।

उन्होंने आव्हान किया कि कोई भी पात्र युवक-युवती मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने से ना चूकें और मतदान में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग मतदाताओं की अधिकाधिक भागीदारी के लिए उन्हें सुविधाएं देने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। जितने चुनाव सुधार भारत में हुए हैं, उतने शायद और कहीं नहीं।

विभिन्न वर्गों के मतदाताओं के लिए सुगम एवं सरलता पूर्वक मतदान की सुविधा दी गई है ताकि हर मतदाता निर्भीक होकर बिना किसी प्रलोभन के स्वच्छ मतदान कर सके। उन्होंने नव मतदाताओं एवं बीएलओ का आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में और अधिक ऊर्जा के साथ श्रेष्ठ कार्य करें। शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें। मतदाता सूची शुद्धीकरण, आधारकार्ड से लिंक करने के कार्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण करें तथा लोकतंत्र में शत-प्रतिशत भागीदारी के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजकुमार सिंह ने तेरहवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम ''वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम'' का उल्लेख करते हुए नव मतदाताओं का आव्हान किया कि मताधिकार को उत्सव सरीखा मनाएं और वंचित मतदाताओं का मतदाता सूची में नाम जुड़वाकर उन्हें लोकतंत्र में सशक्त भागीदारी के लिए प्रेरित करें।

कहा कि निर्वाचन आयोग के प्रयासों व नवाचारों से मतदान का प्रतिशत बढ़ा है और विसंगतियां खत्म हुई हैं। मतदान एवं मतगणना की प्रक्रियाओं में आमूलचूल बदलाव आए हैं जिनसे पारदर्शिता आई है।

गांधीवादी विचारक एवं वरिष्ठ पत्रकार नरेश विजयवर्गीय ने मतदाता दिवस जैसे आयोजनों में अधिकाधिक जन भागीदारी की जरूरत बताई और कहा कि लोकतंत्र में अधिकाधिक भागीदारी बढाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इससे पूर्व भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के संदेश एवं नव सृजित गीत का प्रसारण किया गया। समारोह में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी लाडपुरा दीपक मित्तल, प्रशिक्षु आरएएस कीर्ति व्यास, हरिसूदन शर्मा, यज्ञदत्त हाडा एवं अन्य मौजूद रहे। संचालन पुरूषोत्तम शर्मा ने किया।

कार्यक्रम में सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय के सहायक लेखाधिकारी देवेन्द्र सिंह चौहान, जेडीबी कॉलेज की डॉ. जयश्री डावरे, योगिता नागर, स्नेशा सिंह, कीर्तांशम अध्यक्ष, महिला एवं बाल विकास विभाग की यासमिन, किरण, दीपिका, प्रीतिबाला, सुमन मेहरा, निशा सैनी, सुनिता मोदी, पूजा जोशी, नमोनारायण गोचर, मुकेश कुमार मीणा, चन्द्रप्रकाश मालव, सुरेन्द्र नागर, प्रदीप गौत्तम, मनोज मेहता, राजेन्द्र कुमार, दिनेश शर्मा, सुरेन्द्र मालव, दीपक धाकड़, मुकेश नकवाल, महेन्द्र सिंह, शिवस्वरूप शर्मा, प्रकाश सुमन, ईशान खान, प्रेमप्रकाश बंजारा, फिरोज खान, कृष्णकांत राठौड़ तथा धनराज नागर को सम्मानित किया गया।

क्रिकेट का मुकाबला आज

बून्दी (निसं)। जिला प्रशासन द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर बून्दी में पहली बार बेहतरीन बून्दी मैत्री कप जिला प्रशासन एवं पत्रकारों के बीच क्रिकेट मैच 26 जनवरी को पुलिस परेड ग्राउण्ड पर जिला स्तरीय समारोह के बाद खेला जाएगा। बुधवार को जिला कलक्टर कक्ष में जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने मैच के लिए दोनों टीमो के लिए टी-शर्ट व ट्रॉफी का विमोचन किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार चैधरी, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के अधिकारी व पत्रकार मौजूद रहे। बाद में जिला प्रशासन इलेवन व पत्रकार इलेवन की और से टीमों की घोषणा की गई। बेहतरीन मैत्री मैच में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक भी सहभागिता निभा रही है। जिला प्रशासन की ओर से घोषित 15 सदस्यीय टीम में युवा मामले, खेल तथा सूचना एवं जनसंपर्क राज्यमंत्री अशोक चांदना कप्तान व जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी उप कप्तान होंगे। टीम में पुलिस अधीक्षक जय यादव, एडीएम मुकेश कुमार चौधरी , एसडीओ सोहनलाल, सीईओ करतार सिंह, डीएसओ शिवजीराम जाट, अनस शेख, नवीन तेजस्वी, ओमप्रकाश प्रजापत, विकास हाडा, मयंक नागर, विष्णु शर्मा, श्यामसुंदर शर्मा एवं प्रिंस शामिल है।

कोटा मंडल के अधिकांश स्टेशनों पर गाड़ियों के प्रायोगिक ठहराव की अवधि बढ़ी

कोटा, (निसं)। रेल प्रसाशन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु कोटा मंडल के रामगंजमंडी, बून्दी, लाखेरी, दरा, मोड़क, केशोराय पाटन, कापरेन एवं चौमहला स्टेशनों पर चार जोड़ी गाड़ियों के विगत छह माह के प्रायोगिक हाल्ट की अवधि को अगले छह माह तक विस्तारित करने का निर्णय लिया गया हैं।

गाड़ी संख्या 19037/19038 बांद्रा टर्मिनल-बरौनी-बांद्रा टर्मिनल के बीच प्रतिदिन चलने वाली अवध एक्सप्रेस ट्रेन का 'रामगंजमंडी' स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनो दिशाओं में छह माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 06 फरवरी, 2023 तक किया गया था जिसको अब बढ़ाकर 05 अगस्त, 2023 तक कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 19607/19608 कोलकाता-मदार-कोलकाता के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का 'बून्दी' स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनों दिशाओं में छह माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 08 फरवरी, 2023 तक किया गया था। जिसको अब बढ़ाकर 07 अगस्त, 2023 तक कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 12181/12182 जबलपुर-अजमेर-जबलपुर के बीच चलने वाली सुपरफास्ट ट्रेन का 'लाखेरी' स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनो दिशाओं में छह माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 07 फरवरी, 2023 तक किया गया था। जिसको अब बढ़ाकर 06 अगस्त, 2023 तक कर दिया गया है।

गाड़ी संख्या 12465/12466 इन्दौर-जोधपुर-इन्दौर के बीच चलने वाली रणथम्भौर सुपरफास्ट ट्रेन का 'दरा' स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनों दिशाओं में छः माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 06 फरवरी, 2023 तक किया गया था। जिसको अब बढ़ाकर 05 अगस्त, 2023 तक कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 19019/19020 बांद्रा टर्मिनल-हरिद्वार-बांद्रा टर्मिनल के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का 'मोड़क एवं दरा' स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनो दिशाओं में छह माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 06 फरवरी, 2023 तक किया गया था। जिसको अब बढ़ाकर 05 अगस्त, 2023 तक कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 19037/19038 बांद्रा टर्मिनल-बरौनी-बांद्रा टर्मिनल के बीच प्रतिदिन चलने वाली अवध एक्सप्रेस ट्रेन का 'रामगंजमंडी' स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनो दिशाओं में छह माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 06 फरवरी, 2023 तक किया गया था जिसको अब बढ़ाकर 05 अगस्त, 2023 तक कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 19607/19608 कोलकाता-मदार-कोलकाता के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का 'बून्दी' स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनों दिशाओं में छह माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 08 फरवरी, 2023 तक किया गया था। जिसको अब बढ़ाकर 07 अगस्त, 2023 तक कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 12181/12182 जबलपुर-अजमेर-जबलपुर के बीच चलने वाली सुपरफास्ट ट्रेन का 'लाखेरी' स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनो दिशाओं में छह माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 07 फरवरी, 2023 तक किया गया था। जिसको अब बढ़ाकर 06 अगस्त, 2023 तक कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 12465/12466 इन्दौर-जोधपुर-इन्दौर के बीच चलने वाली रणथम्भौर सुपरफास्ट ट्रेन का 'दरा' स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनों दिशाओं में छः माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 06 फरवरी, 2023 तक किया गया था। जिसको अब बढ़ाकर 05 अगस्त, 2023 तक कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 19019/19020 बांद्रा टर्मिनल-हरिद्वार-बांद्रा टर्मिनल के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का 'मोड़क एवं दरा' स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनो दिशाओं में छह माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 06 फरवरी, 2023 तक किया गया था। जिसको अब बढ़ाकर 05 अगस्त, 2023 तक कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 20845/20846 बिलासपुर-बीकानेर-बिलासपुर के बीच चलने वाली सुपरफास्ट ट्रेन का 'चौमहला' स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनों दिशाओं में छह माह के लिए प्रायोगिक ठहराव को 09 फरवरी, 2023 तक किया गया था। जिसको अब बढ़ाकर 08 अगस्त, 2023 तक कर दिया गया है। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/जनसम्पर्क अधिकारी-कोटा रोहित मालवीय द्वारा बताया कि यह निर्णय यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया है इससे रामगंजमंडी, बून्दी, लाखेरी, दरा, मोड़क, केशोराय पाटन, कापरेन एवं चौमहला स्टेशनों के यात्रियों को आवागमन में राहत मिलेगी। इस संबंध में सर्व संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि ऊक्त ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

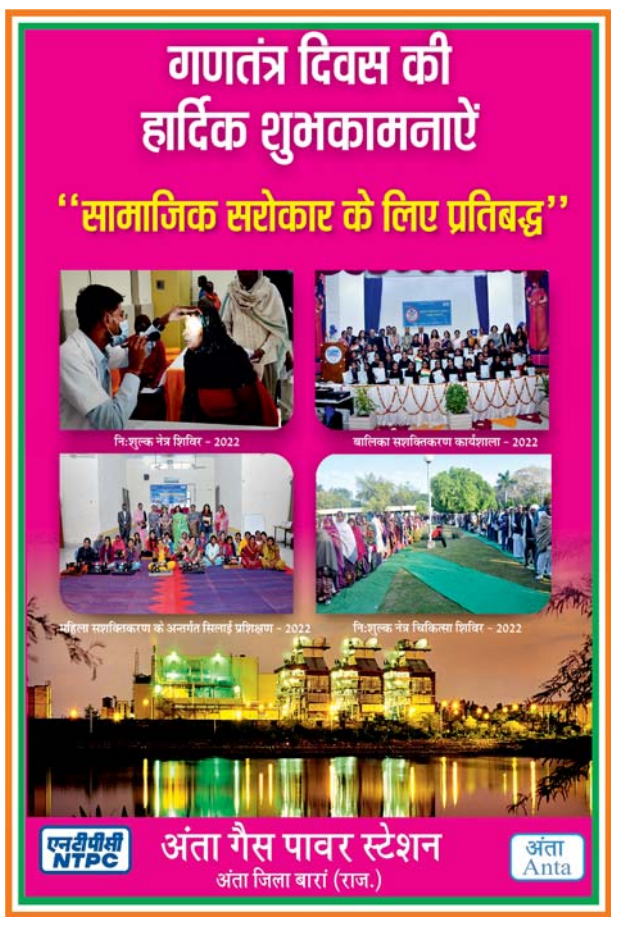

शपथ दिलाई

बूंदी (निसं)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य भवन में बुधवार को सीएमएचओ डॉ ओ पी सामर ने शपथ दिलाई। इस दौरान जिला स्तरीय अधिकारियों सहित अन्य कार्मिक मौजूद रहे। डॉ सामर ने बताया कि प्रतिवर्ष 25 जनवरी को देश भर में मतदान दिवस मनाया जाता है। डॉ सामर ने बताया कि देश मे लोकतांत्रिक नीव बनाये रखने के लिये हम सभी का मतदान करना बहुत जरूरी है।

सार-समाचार

बयाना, गंगापुर सिटी एवं सवाई माधोपुर होकर एक स्पेशल ट्रेन का संचालन

कोटा, (निसं)। रेल प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से कोटा होकर गाड़ी सं 05285/05286 बरौनी-अजमेर-बरौनी के मध्य एक-एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया गया है। इस गाड़ी में वातानुकूलित ट्री टियर 03 कोच, वातानुकूलित टू टियर 01 कोच, स्लीपर 15 कोच, सामान्य श्रेणी 02 कोच तथा 02 एस.एल.आर. सहित कुल 23 कोच होंगे। गाड़ी संख्या 05285/05286 बरौनी-अजमेर-बरौनी के मध्य स्पेशल ट्रेन गुरूवार, 26 जनवरी को बरौनी से तथा मंगलवार, 31 जनवरी को अजमेर से दोनों दिशाओ में 01-01 ट्रिप चलेगी जो कोटा मण्डल के 'बयाना, गंगापुर सिटी एवं सवाई माधोपुर' स्टेशनों पर हाल्ट लेकर गन्तव्य को जाएगी। यह गाड़ी दोनों दिशाओं में बरौनी-अजमेर के मध्य समस्तीपुर, मुज्जफरपुर, हाजीपुर, सोनपुर, छपरा, बलिया, फेफना, रसारा, इन्दारा, मऊ, मोह्मदाबाद, आजमगढ़, सरायमीर, खोरसना रोड, शाहगंज, अयोध्या कैंट, बाराबंकी, लखनऊ, कानपुर, इटावा, टूंडला, आगरा फोर्ट, 'बयाना, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर,' दुर्गापुरा, जयपुर, किशनगढ़ एवं मदार स्टेशनों पर रुकेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/जनसम्पर्क अधिकारी-कोटा रोहित मालवीय द्वारा बताया कि यात्रियों की सुविधा हेतु स्पेशल ट्रेन को चलाया जा रहा है। इस संबंध में सर्व संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, छज्जै, रेल मदद 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

पदोन्नति से वंचित रहे नर्सेज को लाभ मिले : खुशीराम मीणा

बून्दी (निसं)। राज नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम मीणा के नेतृत्व में बुधवार को नर्सेज के एक प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर स्वास्थ्य भवन मे निदेशक अराजपत्रित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं सुरेश नवल से मिलकर हाल ही में विभाग द्वारा जारी पदोन्नित सूची में स्थान बनाने से वंचित रखे नर्सिंग ऑफिसर को साथ लेकर मुलाकात की। इस पर निदेशक ने संघटन के आग्रह पर 10 दिवस का समय पदोनत्ति से वंचित डफर नर्सेज को दिया है। इस निर्णय से राज्य के 848 नर्सेज को लाभ होगा। संघटन ने हाड़ौती संभाग के नर्सेज की वेतन स्थिरीकरण समय पर करने जिलों में नर्सेज भर्ती के लिए जारी किए जाने वाले अनुभव प्रमाण पत्र समय पर जारी करने महिला स्वस्थ्य कार्यकर्ताओ एव महिला स्वस्थ्य दर्शिकाओ की पदोन्नित सूची अविलम्ब जारी करने सहित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। इस दौरान कोटा जिले के नर्सेज प्रदेश महामंत्री अशोक शर्मा, कोटा संभाग प्रभारी अनीस अहमद मौजूद रहे। यह जानकारी संघटन की बून्दी संयोजिका नगीना सोनी ने मीडिया को दी।

'स्टूडेंट्स को भारतीय संस्कृति से जोड़ना पर्यटन को संबल देने के लिए जरूरी'

कोटा, (निसं)। कोटा विश्वविधालय के कॉमर्स एंड मैनेजमेंट विभाग के द्वारा नेशनल टूरिज्म डे के उपलक्ष में भारतीय कल्चर और संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यकर्म का आजोयन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्टूडेंट्स ने गेरू और चुने से मांडणा बनाऐं, फूलों और रंगो से रंगोली बनाई, साथ ही मेहँदी लगायी गयी। नेशनल टूरिज्म के दिन इस कार्यक्रम को करने का उदेश्य मुख्य स्टूडेंट्स को भारतीय कलाओं जैसे मांडणा, भारतीय व्यंजन जो की हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है की तरफ स्टूडेंट्स का रुझान जाग्रत करना था। इसके साथ ही भारत में यह साल इंटरनेशनल मिल्लेट्स ईयर के रूप में भी जाना जा रहा है। स्टूडेंट्स ने सरस्वती भवन में मांडने और रंगोली बनाई। डॉ अनुकृति शर्मा ने सभी स्टूडेंट्स को धन्यवाद दिया की उन्होंने इतने बढ़- चढ़ के भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ श्रुति अरोरा, डॉ. नीता पारीक, डॉ. नीलिमा मोदी, डॉ अनुज विल्लियम्स, डॉ जतिन रहे।

यूडीएच मंत्री ध्वजारोहण करेंगे

कोटा, (निसं)। गणतंत्र दिवस जिला स्तरीय समारोह गुरूवार 26 जनवरी को महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में मनाया जाएगा। समारोह में प्रात: 9:15 बजे मुख्य अतिथि स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद परेड निरीक्षण एवं मार्चपास्ट की सलामी ली जाएगी। समारोह में सामूहिक व्यायाम एवं समूह गान, सामूहिक नृत्य, झांकी प्रदर्शन, स्वतंत्रता सैनानियों एवं युद्ध सैनिक वीरांगनाओं का सम्मान किया जाएगा एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं का सम्मान किया जाएगा। समारोह के उपरान्त दोपहर 1 बजे जिला प्रशासन एवं नगर निगम के मध्य मैत्री क्रिकेट मैच खेला जाएगा।

'राशन उपभोक्ता करवाएं आधार सीडिंग'

कोटा, (निसं)। जिले के ऐसे सभी राशन उपभोक्ता जिनके राशन कार्ड में परिवार के सभी सदस्यों की आधार सीडिंग नहीं हुई है, उनके आधार कार्ड को राशन कार्ड से जोड़ना आवश्यक है। जिला रसद अधिकारी पुष्पा हरवानी ने सभी राशन उपभोक्ताओं से आव्हान किया है कि उपभोक्ता अपने सदस्यों की आधार सीडिंग कराने के लिए प्रत्येक सदस्य की आधार कार्ड की प्रति एवं राशन कार्ड की प्रति संबंधित उपखण्ड अधिकारी अथवा जिला रसद कार्यालय में प्रस्तुत कर आधार सीडिंग करवाएं। आगामी माहों में आधार से जोड़े बिना राशनकार्डों पर गेहूं दिया जाना संभव नहीं होगा।

रोजगार सहायता शिविर का तीन को

कोटा, (निसं)। उप-क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय में मासिक रोजगार सहायता शिविर का आयोजन शुक्रवार 3 फरवरी को किया जाएगा। सहायक निदेशक उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय ने बताया कि शिविर में निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियों द्वारा भर्ती की जाएगी। जिसमें आशार्थियो को निजी क्षेत्र में रोजगार एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त होंगे। इसके लिए 18 से 35 आयु वर्ग के न्यूनतम सैकेण्डरी कक्षा उत्तीर्ण आशार्थी आवेदन के पात्र हैं। इच्छुक आशार्थी उक्त तिथि को उप-क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय में प्रात: 10 बजे शैक्षणिक योग्यता संबंधी मूल दस्तावेज एवं छाया प्रतियों मय 5 पासपोर्ट साइज फोटो सहित उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

एलन पेरेंटिंग सेशन में बड़ी संख्या में अभिभावक शामिल हुए

- एलन ने अब पेरेन्ट्स के लिए शुरू किए विशेष सेशन

कोटा, (निसं)। कॅरियर सिटी कोटा के केन्द्र में विद्यार्थियों का हित होता है। विद्यार्थियों का कॅरियर बनाने के लिए हर संभव प्रयास यहां किया जाता है। इन्हीं प्रयासों के तहत अब विद्यार्थियों में सकारात्मकता रखने के लिए पेरेन्टिंग सेशन्स का नवाचार किया गया है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से अभिभावकों के लिए पेरेंटिंग सेशन्स का आयोजन जवाहर नगर स्थित एलन समुन्नत कैम्पस के समरस सभागार में किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 11 के विद्यार्थियों के परिजनों को आमंत्रित किया गया। पेरेंटिंग सेशन में बड़ी संख्या में अभिभावक शामिल हुए। सेशन को एलन के सीनियर वाइस प्रसीडेंट विनोद कुमावत व वाइस प्रसीडेंट जीवन ज्योति अग्रवाल ने सम्बोधित किया। सेशन में मुख्यरूप से पॉजिटिव पेरेंटिंग के मायने बताए गए। यहां बच्चों के कॅरियर के बारे में फैसला लेने से पहले उसकी क्षमताओं का आंकलन, बच्चों के प्रति अपने व्यवहार को सकारात्मक रखते हुए आगे बढ़ने की बात कही गई। यहां प्रजेन्टेशन के माध्यम से परिवार की स्वस्थता के लिए आवश्यक व्यवहार के बारे में बताया गया।

फिजिकल, मेंटल और फाइनेंशियल हेल्थ के साथ सोशल लाइफ, फेमिली और स्प्रिचुअल लाइफ को समझाते हुए परिवार में इसके फायदों के बारे में बताया गया। दोनों एक्सपर्ट्स द्वारा बच्चों के व्यवहार का अध्ययन करना। अभिभावकों को बच्चों के विचारों को समझते हुए उन विचारों को तार्किक आधार पर सही या गलत बताना तथा उचित होने पर सहमति जताना, कॅरियर बनाने के लिए आवश्यक संघर्ष के लिए बच्चों को तैयार करने के बारे में बताया गया। यहां पेरेन्ट्स को प्रवेश परीक्षाओं में आने वाली चुनौतियों के बारे में समझाते हुए बच्चों के प्रति उनके व्यवहार को लेकर भी सुझाव दिए गए। सेशन में कई अभिभावकों ने बच्चों के बारे में जानकारी ली। उनकी कमियां और लापरवाहियों के बारे में एक्सपर्ट्स से पूछा, इन जिज्ञासाओं को विनोद कुमावत व जीवन ज्योति अग्रवाल ने शांत किया।

मतदाता दिवस पर जागरुकता रैली निकाली

बूंदी (निसं)। जिला कलक्टर डॉ रविंद्र गोस्वामी ने बुधवार को 13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जिला विधिक प्राधिकरण सचिव सुनील यादव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी करतार सिंह सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर ली शपथ, हुआ सम्मान

13वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मनाया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विशेषत: नवपंजीकृत मतदाताओं एवं अन्य सभी मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करना है।

अत: सभी अपने मत का मूल्य समझें और मतदान अवश्य करें।जिला निर्वाचन अधिकारी ने इस अवसर पर मतदाता शपथ दिलाई तथा निर्वाचन संबंधित श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए कार्मिकों का सम्मान किया। साथ ही नवपंजीकृत मतदाताओं का अभिनंदन भी किया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी बूंदी सोहनलाल, उपखण्ड अधिकारी तालेडा कार्तिकेय मीणा, के.पाटन तहसीलदार प्रीतम मीणा सहित विभिन्न विभागों अधिकारी, कर्मचारी व नवमतदाता मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

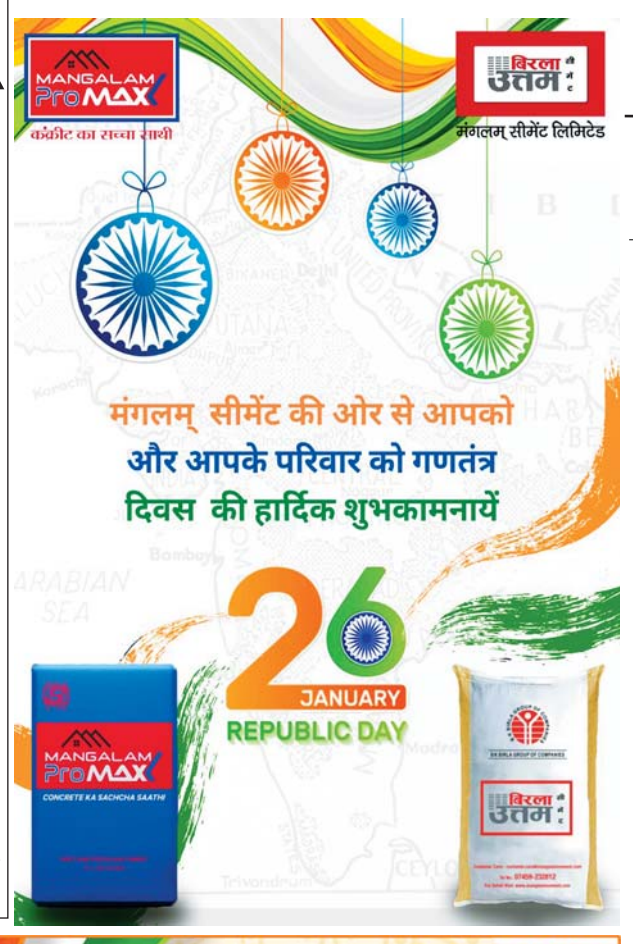

गणतंत्र दिवस आज, विभिन्न कार्यक्रम होंगे

बूंदी (निसं)। गणतंत्र दिवस, 2023 के उपलक्ष में जिलेभर में ध्वजारोहण के कार्यक्रम होंगे। जिला स्तरीय समारोह खेल संकुल पर सुबह 9 बजे से होगा। समारोह में युवा मामले, खेल तथा सूचना एवं जनसंपर्क राज्यमंत्री अशोक चांदना ध्वजारोहण कर परेड निरीक्षण करेंगे और मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। परेड में आरएसी, राजस्थान पुलिस, राजस्थान पुलिस महिला, होमगार्ड, स्काउट, एसपीसी, स्काउट गाइड की टुकड़ियों शामिल रहेगी।

'मिशन स्वरोजगार' प्रशिक्षण दिया

बून्दी (निसं)। नाबार्ड व संजीवनी मानव कल्याण एवं जीव सेवा संस्थान बून्दी के संयुक्त तत्वाधान में राजीविका स्वंय सहायता समूहों की 30 महिला प्रतिभागियों को जिला कलक्टर बून्दी के दिशा-निर्देशानुसार जिले में संचालित '' मिशन स्वरोजगार '' अन्तर्गत ग्राम ठीकरदा में नाबार्ड प्रायोजित सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम एमईडीपी अन्तर्गत संस्था के एक्सपर्ट ट्रेनरों के माध्यम से केमिकल फ्री हस्त निर्मित नीम तुलसी, गुलाब, ऐलोवेरा, हल्दी चन्दन बाथ सोप व कपड़े धोने का साबुन, टब सोप, वाशिंग पाउडर हेण्डवॉश व फिनायल मेकिंग गतिविधि पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कर संस्था की ग्रेडिंग अनुसार उक्त गतिविधि में एक्सपर्ट हुई महिला प्रतिभागियों ने नाबार्ड के सहयोग से प्राप्त प्रशिक्षण मानदेय राशि 750 रूपए प्रति सदस्य के सहयोग से 10500 रू का कच्चा माल अजमेर व भीलवाड़ा से मंगवाकर हस्त निर्मित नीम, गुलाब, तुलसी, हल्दी चन्दन व वाशिंग पाउडर, टब सोप बनाना शुरू किया। संस्था के सहयोग से महिलाओं को पेकिंग मेटेरियल बनाने आदि में मार्गदर्शन एवं आर्थिक सहयोग भी किया।

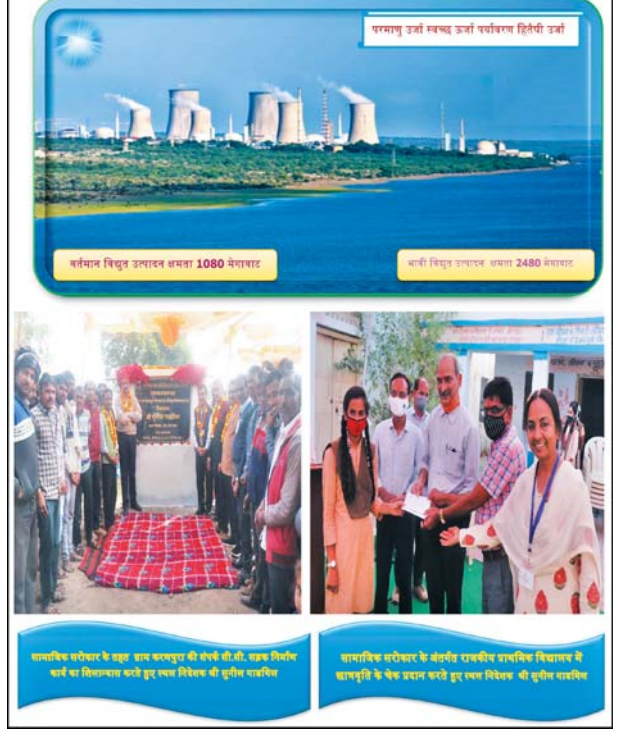

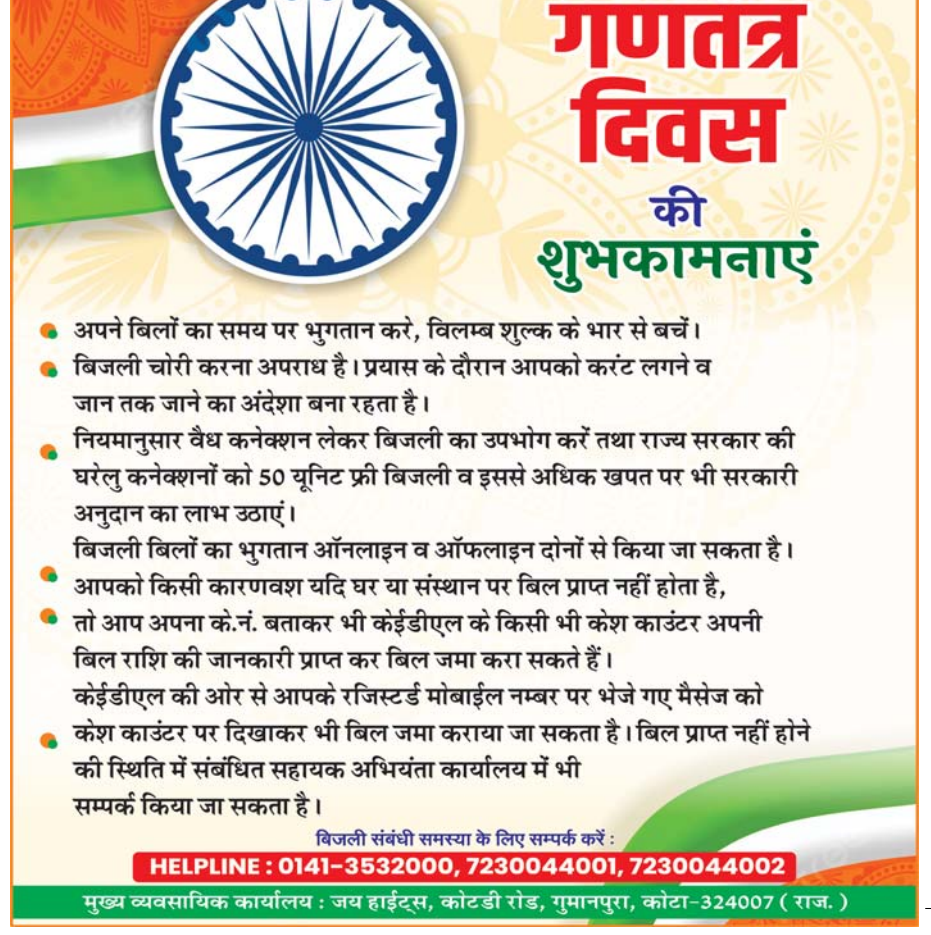

मैं देश के माननीय प्रधानमंत्री जी से निवेदन करती हूं हमारे देश की सभी बहन-बेटियां आपकी तरफ बहुत आशा और उम्मीद से देख रही है अगर हम सब बहन-बेटियों को न्याय नहीं मिला तो यह देश के इतिहास के लिए बडआ दुर्भाग्य होगा। - गीता फोगाट

कुश्ती पहलवान, प्रधानमंत्री से अपील करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी शैफाली वर्मा

भारतीय अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप टीम की कप्तान शैफाली वर्मा ने कहा है कि वह क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को खेलता देखकर बड़ी हुई है और वह भी मेरे आदर्श है। शैफाली ने स्टार स्पोर्ट्स से एक विशेष बातचीत में यह बात कही। उन्होंने अपने आदर्श और अंडर-19 विश्व कप खेलने में टीम इंडिया की ताकत के संदर्भ में विचार व्यक्त किये। शैफाली ने कहा, मुझे लगता है कि आजकल मुझे लिविंगस्टोन की बल्लेबाजी पसंद है क्योंकि वह बहुत अच्छा हिट कर रहा है, और निश्चित रूप से मैं सचिन तेंदुलकर सर खेलते हुए देखकर बड़ी हुई हूं।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीड वुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1938 में 87 ओवर में 298 रन पर एक विकेट लिया था। ये आज तक एक टेस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे ज्यादा रन है।

सूर्यकुमार बने साल के सर्वश्रेष्ठ टी-20 क्रिकेटर

दुबई, 25 जनवरी। भारत के 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से साल 2022 के सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर का पुरस्कार हासिल किया है। आईसीसी ने बुधवार को इसकी घोषणा की। सूर्यकुमार ने 2022 में अपनी अतरंगी बल्लेबाजी से सभी को मंत्रमुग्ध किया और खेल के सबसे छोटे प्रारूप में कई कीर्तिमान रचे। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से अधिक रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गये। उन्होंने यह उपलब्धि 187.43 के विस्फोटक स्ट्राइक-रेट से 1164 रन बनाकर हासिल की और वह पिछले साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप 2022 के दौरान भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और टूर्नामेंट की छह पारियों में तीन अर्धशतक जड़े। उन्होंने लगभग 60 की औसत से रन बनाये और यहां भी उनका स्ट्राइक-रेट 189.68 रहा। सूर्यकुमार ने अपने टी20 करियर के यादगार साल में कुल 68 छक्के जड़े। इससे पहले एक साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक छक्के मारने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान के पास था, जिन्होंने 2021 में सिर्फ 42 छक्के जड़े थे। सूर्यकुमार ने यह पुरस्कार हासिल करने के बाद कहा, "मुझे साल का सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर चुनने के लिये आईसीसी का शुक्रिया। यह एक बेहतरीन एहसास है। मेरे लिये 2022 शानदार रहा। निजी तौर पर कहूं तो मैंने अपनी कुछ पारियों का काफी आनंद लिया।"

सूर्यकुमार ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत मार्च 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ की थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के पर्दे पर आते ही छा जाने वाले सूर्यकुमार ने अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी इंग्लैंड के खिलाफ ही जड़ा था। भारत ने जुलाई 2022 में नॉटिंघम में खेले गये मुकाबले में 216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे। सूर्यकुमार ने इसके बाद अकेले लड़ते हुए 55 गेंदों पर 117 रन की शानदार पारी खेली, हालांकि अंत में यह मुकाबला 17 रन से इंग्लैंड के पक्ष में गया था।

आईएचएफ को देश में हैंडबॉल के विकास की जानकारी देगा भारत

लखनऊ, 25 जनवरी। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष ए जगनमोहन राव और कार्यकारी निदेशक आनन्देश्वर पाण्डेय आगामी 30 जनवरी को इंटरनेशनल हैंडबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ हसन मुस्तफा से मुलाकात कर उन्हें भारत में हैंडबाल की विकास प्रगति की जानकारी देंगे।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव तेजराज सिंह ने बुधवार को बताया कि आईएचएफ पुरुष विश्व हैंडबॉल चैंपियनशिप 27 से 29 जनवरी के बीच मध्य स्वीडन में आयोजित होगी, जिसका फाइनल मैच देखने के बाद राव और पाण्डेय 30 जनवरी को हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के प्रतिनिधि के तौर पर आईएचएफ के अध्यक्ष डॉ हसन मुस्तफा और जनरल डायरेक्टर अमल खलीफा से मिलेंगे। इस दौरान भारत में हैंडबॉल की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। इसके साथ ही ये दोनों भारत में हैंडबॉल को लोकप्रिय बनाने के लिए और भारत में होने वाली प्रीमियर हैंडबॉल लीग के बारे में प्रेजेंटेशन देंगे। उन्होंने बताया कि इस रिपोर्ट के आधार पर इंटरनेशनल हैंडबॉल फेडरेशन भारत में हैंडबॉल के प्रसार को नए आयाम देने के लिए प्रशिक्षकों और रेफरी की कार्यशाला तथा हैंडबॉल उपकरण प्रदान कर मदद भी करेगा।

सिराज बने दुनिया के नं. 1 गेंदबाज

रैंकिंग में बोल्ट और हेजलवुड को पछाड़ा, बैटिंग रैंकिंग में विराट से आगे गिल

नई दिल्ली, 25 जनवरी। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए दो दिन में दूसरी बड़ी खुशखबरी सामने आई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप कर टीम इंडिया मंगलवार को दुनिया की नंबर-1 वनडे टीम बनी थी। आज भारत के मोहम्मद सिराज दुनिया के नंबर-1 वनडे गेंदबाज बन गए हैं। बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में सिराज 729 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड (727 पॉइंट्स) दूसरे स्थान पर और न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट (708 पॉइंट्स) तीसरे स्थान पर हैं।

बल्लेबाजी में जोरदार फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल अब वनडे में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। पिछले चार वनडे में तीन शतक जमाने वाले गिल अब 734 पॉइंट्स के साथ छठे स्थान पर हैं। उन्होंने 20 स्थान की छलांग लगाई है। वहीं विराट कोहली 727 पॉइंट्स के साथ सातवें और कप्तान रोहित शर्मा 719 पॉइंट्स के साथ नौवें नंबर पर हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 887 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं। यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज में शुभमन गिल

ने बल्लेबाजी से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 180 की औसत से 360 रन बनाए। वे सीरीज में भारत के टॉप स्कोरर के साथ ही ओवर ऑल भी सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

गिल ने अपनी पारी में 2 सेंचुरी भी जड़ी। वहीं मोहम्मद सिराज ने 2 मैचों में 3.50 की इकोनॉमी रेट से 3 विकेट लिए। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की 2022 में वनडे टीम ऑफ द ईयर में जगह दी गई है। इस टीम में उनके अलावा मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर को भी शामिल किया गया है। ने मंगलवार को टीम की घोषणा की थी। मेंस टीम में दो और विमेंस टीम में तीन भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है।

मोहम्मद सिराज अब तक 21 वनडे मैच खेल चुके हैं और उन्होंने 38 विकेट लिए हैं। सिराज को अपना पहला वनडे खेलने के तीन साल बाद दूसरा वनडे खेलने का मौका मिला था। सिराज ने 15 जनवरी 2019 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड मैच से वनडे में डेब्यू किया था। इस मैच में सिराज को विकेट नहीं मिले। उसके बाद उन्हें दूसरे वनडे मैच खेलने का मौका 6 फरवरी 2022 को मिला।

बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल के अलावा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को भी 2 स्थानों का फायदा मिला है। वह 11वें से 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज में रोहित, शुभमन गिल के बाद भारत के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 3 मैचों में 62 की औसत से 186 रन बनाए। रोहित ने अपनी पारी में एक सेंचुरी और एक हाफ सेंचुरी जड़ी।

आईपीएल-2023 एक अप्रैल से हो सकता है शुरू

मुंबई, 25 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग के 2023 संस्करण का आगाज 31 मार्च या एक अप्रैल से हो सकता है जबकि फाइनल 28 मई को खेला जा सकता है। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने बुधवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने बतायाा कि अगले महीने 10 से 26 फरवरी के बीच दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले महिला टी-20 विश्वकप के बाद वुमेंस प्रीमियर लीग का पहला संस्करण चार मार्च से 24 मार्च के बीच आयोजित किया जा सकता है। आईपीएल और डब्ल्यूपीएल के बीच एक सप्ताह का अंतर दिया जा सकता है ताकि मैदानों को नये सिरे से सजाया-संवारा जा सके।

बीसीसीआई डब्ल्यूपीएल को शानदार तरीके से आयोजित कराने की तैयारी में है। बोर्ड ने बुधवार को यहां एक नीलामी में डब्ल्यूपीएल की पांच टीमों के मालिकाना अधिकार बेच दिये, जिसमें मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के अलावा अडाणी समूह और कैपरी होल्डिंग्स ने बाजी मारी।

आईपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल ने बुधवार की नीलामी के बाद कहा, टूर्नामेंट के लिए कार्यक्रम के साथ-साथ कितने मैदानों का उपयोग किया जाएगा, इस पर जल्द फैसला करेंगे। डब्ल्यूपीएल एक शहर में कराया जाये या एक से अधिक शहरों में, इस पर विचार किया जायेगा। इन तमाम पहलुओं पर अगले कुछ दिनों में विचार विमर्श के बाद निर्णय लिया जायेगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि डब्ल्यूपीएल के लिये खिलाड़ियों की नीलामी संभवतः फरवरी के पहले सप्ताह में होगी। टीम के मालिकों के पास अपनी टीम बनाने के लिये 12 करोड़ रूपये का नीलामी पर्स होगा।

जोकोविच 22वें ग्रैंड स्लैम से दो कदम दूर

मेलबर्न 25 जनवरी। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और 21 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच ने बुधवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2023 के क्वार्टरफाइनल में आंद्रे रुबलेव को हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली।

रॉड लेवर एरिना पर खेले गये एकतरफा मुकाबले में जोकोविच ने रुबलेव को 6-1, 6-2, 6-4 से हराया और अब वह सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले राफेल नडाल (22) की बराबरी करने से सिर्फ दो कदम दूर हैं। जोकोविच अपना 10वां ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब तलाश रहे हैं, जबकि टूर्नामेंट के दूसरे सबसे सफल खिलाड़ी रोजर फेडरर ने सिर्फ छह बार यह खिताब हासिल किया है।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि पहले दो सेटों में स्कोरलाइन मैच की वास्तविकता नहीं बताती। रुबलेव एक महान प्रतिद्वंदी और खिलाड़ी हैं। मेरे मन में उसके लिये बहुत सम्मान है। वह सबसे बड़े फोरहैंड्स में से एक है और टूर पर सबसे तेज खिलाड़ियों में से एक है।

सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना अमेरिका के टॉमी पॉल से होगा जो क्वार्टरफाइनल में अपने हमवतन बेन शेल्टन को हराकर आ रहे हैं। पॉल ने रॉड लेवर एरिना पर खेले गये मैराथन क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन को 7-6, 6-3, 5-7, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

इसी बीच, पोलैंड की मैग्डा लिनेट और बेलारूस की एरिना सबालेंका ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में एकतरफा जीत हासिल कर कदम रखा। लिनेट ने रॉड लेवर एरिना पर एक घंटे 27 मिनट चले महिला एकल मुकाबले में चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 7-5 से मात दी। विश्व नंबर 45 लिनेट ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

लिनेट ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ अभियान के बारे में कहा, मैं शायद अब भी विश्वास नहीं कर पा रही हूं। मैं इसे कभी नहीं भूल सकूंगी। यह अनुभव मेरे साथ जीवन भर रहेगा। मैं दर्शकों के समर्थन के लिए भी उनकी शुक्रगुजार हूं। दूसरी ओर, सबालेंका ने भी क्रोएशिया की डोना वेकिक को 6-3, 6-2 के सीधे सेटों में हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में कदम रखा। यह 24 वर्षीय सबालेंका का चौथा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। उन्हें अपने पहले ग्रैंड स्लेम फाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष-4 में लिनेट का सामना करना होगा। उल्लेखनीय है कि सबालेंका ने 2023 में अपने सभी नौ मुकाबले जीते हैं और इस दौरान उन्होंने कोई सेट नहीं गंवाया है।

विमेंस प्रीमियर लीग की टीमों की नीलामी

पांच टीमों की बिक्री 4670 करोड़ रुपये में हुई

दिल्ली मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु और लखनऊ की टीमें खेलेंगी

नई दिल्ली, 25 जनवरी। विमेंस प्रीमियर लीग की 5 टीमों की नीलामी हो गई है। बुधवार को बोर्ड ने नीलामी में सफलता हासिल करने वाली कंपनियों के नाम की घोषणा की। इस नीलामी से बोर्ड को कुल 4669.99 करोड़ रुपए की रकम मिलेगी। सबसे ज्यादा बोली अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए लगी है। इस फ्रेंचाइजी के एवज में अडाणी ग्रुप 1289 करोड़ रुपए बोर्ड को देगा। अहमदाबाद के अलावा मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और लखनऊ की फ्रेंचाइजी पर बोली लगी है। यानी यही पांच टीमें विमेंस प्रीमियर लीग में शिरकत करेंगी। का पहला सीजन इस साल मार्च में होना है। फरवरी में खिलाड़ियों की नीलामी होगी।

15 साल पहले 2008 में ने पुरुष के लिए 8 टीमों की नीलामी की थी। इससे बोर्ड को तब 72.35 करोड़ डॉलर मिले थे। अगर डॉलर के मौजूदा भाव के हिसाब से कैलकुलेट करें तो आंकड़ा 5,907 करोड़ रुपए का आता है। 2008 में 1 डॉलर करीब 40 रुपए का था। उस हिसाब बोर्ड को पुरुष फ्रेंचाइजीज की नीलामी से करीब 2900 करोड़ रुपए ही मिले थे। यानी हर टीम के लिए 362.5 करोड़ रुपए। वहीं, के लिए बोर्ड को 4670 करोड़ रुपए मिले हैं। यानी 1 टीम की कीमत 934 करोड़ रुपए है।

टीम खरीदने के लिए 17 कंपनियां मैदान पर उतरीं। हालांकि 30 से ज्यादा कंपनियों ने इसके लिए टेंडर खरीदे थे। टीमें खरीदने के लिए पुरुष की 7 टीमों मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स ने रुचि दिखाई। साथ ही देश के बड़े औद्योगिक घराने अडाणी ग्रुप, कैप्री ग्लोबल, हल्दीराम ग्रुप, टोरेंट फार्मा, अपोलो पाइप्स, अमृतलीला इंटरप्राइजेज, श्रीराम ग्रुप और स्लिंगशॉट 369 वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड भी आगे आए।

बोर्ड ने कुछ दिनों पहले विमेंस प्रीमियर लीग के 5 साल के मीडिया राइट्स 951 करोड़ रुपए में बेचे हैं। यानी एक मैच 7 करोड़ रुपए का होगा। बोर्ड पहले पांच साल तक मीडिया राइट्स से हुई कमाई का 80 हिस्सा टीमों में डिस्ट्रीब्यूट करेगा। इसके बाद 5 साल 60 और उसके बाद 50 हिस्सा टीमों के खाते में जाएगा। इसके अलावा फ्रेंचाइजी को सेंट्रल लाइसेंसिंग राइट्स से प्राप्त राशि का 80 फीसदी भी मिलेगा। बाकी का रेवेन्यू स्पॉन्सर्स, सेल्स और टिकट से मिलेगा। इस साल मार्च में होगा पहला सीजन का पहला सीजन इस साल मार्च में खेला जाएगा। 5 टीमों के बीच कुल 22 मैच मुंबई के पाटील और ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही होंगे। वानखेड़े स्टेडियम को पुरुष के लिए तैयार किया जाएगा। एक टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। 25 जनवरी को 5 टीमों के नाम सामने आने के बाद ऑक्शन होगा।

एंडी मरे को था ऑस्टियो आर्थराइटिस

डॉक्टर ने कहा- टेनिस नहीं खेल पाएंगे, अब करियर का सबसे लंबा मैच खेला

नई दिल्ली, 25 जनवरी। पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलियन ओपन में एंडी मरे से एक डॉक्टर मिले, जिसे उन्होंने तब देखा था जब वह ऑस्टियो आर्थराइटिस बीमारी से परेशान थे, यानी 2017 में। टेनिस स्टार मरे ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि 2017 में डॉक्टर ने उनसे कहा था कि उनकी बीमारी ठीक हो सकती है, लेकिन इसके बाद वे फिर से पेशेवर खेल में लौट नहीं पाएंगे। मरे ने कहा कि उन्होंने पिछले 5 दिनों में इस बात को गलत साबित कर दिया है।गुरुवार को तीन बार के ठौंड स्लैम चैम्पियन मरे ने अपने करियर का सबसे लंबा मैच खेला, जो 5 घंटे 45 मिनट तक चला। ऑस्ट्रेलिया के कोकिनाकिस से शुरुआती दो सेट में हारने के बाद लगातार 3 सेट जीतकर उन्होंने मैच अपने नाम किया था। इसके ठीक 60 घंटे बाद मरे स्पेन के रॉबर्ट बॉटिस्टा एगट के खिलाफ फिर से कोर्ट में उतरे। हालांकि, इस मैच में उन्हें हार मिली। मरे की बीमारी के इलाज के लिए उन्हें हिप रिसर्फेसिंग सर्जरी की जरूरत थी। ये सर्जरी शरीर के चलने के तरीके, लचीलेपन, गति और चाल को बदल देती है। टेनिस एक मुश्किल खेल है। इससे खिलाड़ी का वजन जोड़ों के जरिए पूरे शरीर में घूमता है और लगातार मूवमेंट के साथ ये हिप्स पर दबाव डालता है। इसकी वजह से मरे के हिप्स में कार्टिलेज को नुकसान पहुंचा और वे ऑस्टियोआर्थराइटिस का शिकार हो गए। इससे एक स्मूथ लाइनिंग की बजाय जोड़ कमजोर पड़ने लगते हैं, जिससे हड्डियां को नुकसान होने लगा।

जर्मनी ने इंग्लैंड से जीत छीनी

भुवनेश्वर, 25 जनवरी। दो बार की विश्व चैंपियन जर्मनी ने हार के मुंह से जीत छीनते हुए बुधवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के रोमांचक क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड को 2-2 (शूटआउट 4-3) से मात दी। कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने जैकरी वॉलेस (11वां) और लायम एंसेल (32वां मिनट) के गोलों की बदौलत 2-0 की बढ़त बना ली थी। मैच के 57वें मिनट तक इंग्लैंड ने यह बढ़त बरकरार रखी, लेकिन टॉम ग्रैम्बुश ने 57वें और 58वें मिनट में गोल करके मुकाबले को पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा दिया। शूटआउट में इंग्लैंड पांच में से तीन ही गोल कर सका, जबकि जर्मनी ने अपने शुरुआती चार प्रयासों पर गोल करके मुकाबला जीत लिया।

डब्ल्यूपीएल से बीसीसीआई हुई मालामाल, शाह ने कहा ऐतिहासिक दिन

मुंबई, 25 जनवरी। मार्च में प्रस्तावित महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पहले संस्करण के लिये टीमों के नीलामी में पांच फ्रेंचाइजी से भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने चार हजार 669 करोड़ रुपये की कमाई की है।

डब्ल्यूपीएल के लिये अडाणी स्पोर्ट्सलाइन प्रा लिमिटेड अहमदाबाद ने 1289 करोड़ रुपये, इंडियाविन स्पोर्ट्स प्रा लिमिटेड मुंबई ने 912.99 करोड़, रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्रा लिमिटेड बेंगलुरु ने 901 करोड़,जेएसडब्ल्यू जीएमआर क्रिकेट प्रा लिमिटेड दिल्ली ने 810 करोड़ और कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स प्रा. लिमिटेड लखनऊ ने 757 करोड़ रुपये की बोली लगायी है।

इस उपलब्धि से अभिभूत बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बुधवार को ट्वीट किया, क्रिकेट में आज का दिन ऐतिहासिक है। डब्लूपीएल के पहले संस्करण में ही टीमों के लिए लगाई गई बोली ने 2008 में पुरुषों के आईपीएल के उद्घाटन के रिकॉर्ड तोड़ दिए। विजेताओं को बधाई, क्योंकि हमने बोली में कुल 4669.99 करोड़ रुपये प्राप्त किए। यह महिला क्रिकेट में एक क्रांति की शुरुआत का प्रतीक है।

उन्होंने कहा, यह न केवल हमारी महिला क्रिकेटरों के लिए, बल्कि पूरी खेल बिरादरी के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा का रास्ता है। डब्लूपीएल महिला क्रिकेट में आवश्यक सुधार लाएगा और एक सर्वव्यापी पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करेगा जो प्रत्येक हितधारक को लाभान्वित करे। चलिये महिला प्रीमियर लीग की यात्रा शुरू करते हैं।

गौरतलब है कि पांच टीमों के साथ महिला प्रीमियर लीग मार्च में मुंबई में खेली जायेगी। महिला प्रीमियर लीग में टीमों को खरीदने के लिए 33 पार्टियां मैदान में थीं। बीसीसीआई ने बुधवार को एक विज्ञिप्त जारी कर कहा, पांच फ्रेंचाइजी डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन सत्र में भाग लेंगी, बशर्ते बोली लगाने वाले बाद की औपचारिकताओं को पूरा करें।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, मैं डब्ल्यूपीएल टीमों के लिए सफल बोली लगाने के लिए विजेताओं को बधाई देता हूं। लीग भारत और विदेशों के खिलाड़ियों को एक साथ सीखने और बढ़ने का मौका देगी। यह अधिक महिला क्रिकेटरों को शामिल करने के साथ जमीनी स्तर पर विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। मैं नीलामी प्रक्रिया के सुचारू निष्पादन के लिए बीसीसीआई की टीम को भी बधाई देना चाहता हूं। मुझे विश्वास है कि लीग हमारी महिला क्रिकेटरों को वैश्विक मंच पर चमकने में मदद करेगी।

जय शाह ने कहा, मैं सभी पांच फ्रैंचाइजी का स्वागत करता हूं। 4669.99 करोड़ रुपये की सामूहिक बोली से पता चलता है कि हमारे हितधारक पूरी तरह से अवधारणा में विश्वास करते हैं और लीग के लिए बीसीसीआई के नजरिये से इत्तिफाक रखते हैं। लीग निश्चित रूप से महिला खिलाड़ियों की हौसलाफजाई करेगी और उनकी प्रतिभा को निखारने का मौका देगी। हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहां महिला क्रिकेट का तेजी से विकास होना तय है। डब्ल्यूपीएल इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, यह समावेशिता के एक नए युग की शुरुआत है, जहां हमारी महिला क्रिकेटरों को डब्ल्यूपीएल के साथ वैश्विक स्तर पर विकसित होने और उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। महिला क्रिकेट में इस तरह के सकारात्मक बदलाव को देखकर मेरा दिल गर्व से भर गया है। यह वास्तव में महिला क्रिकेट के लिए एक मानक स्थापित करने जा रहा है। नए मालिकों को हार्दिक बधाई।

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष अरुण सिंह धूमल ने कहा, मैं डब्ल्यूपीएल में सभी विजेताओं को बधाई और स्वागत करना चाहता हूं। महिला प्रीमियर लीग के उद्घाटन संस्करण में निवेश करने के लिए प्रतिभागियों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली है, उसे देखना सम्मान और खुशी की बात है। यह महिला क्रिकेट के मूल्य का एक मजबूत वसीयतनामा है और इसके साथ ही महिला क्रिकेट के लिए आत्मनिर्भर संसाधनों का एक केंद्रीय पूल होगा। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा, मैं सभी बोलीदाताओं को महिला प्रीमियर लीग में दिखाए गए विश्वास के लिए बधाई और धन्यवाद देता हूं। 4669.99 करोड़ रुपये की कुल बोली महिला टूर्नामेंट के लिए एक रिकॉर्ड आंकड़ा है और आने वाले बदलाव का एक संकेतक है।

अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

ग्रुप पॉइंट्स टेबल के टॉप पर, न्यूजीलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ हो सकता है मुकाबला

नई दिल्ली, 25 जनवरी। भारत ने मंगलवार को विमेंस अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप के पहले एडिशन में सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। भारत अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड या इंग्लैंड से भिड़ेगा। भारत ग्रुप 1 में था। इसमें भारत के साथं ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और थे। फॉर्मेट के अनुसार हर टीम को ग्रुप में 4 मैच खेलने थे। सभी टीमों ने ग्रुप में काम से काम 1 मुकाबला हारा है। टेबल में बांग्लादेश और के अलावा सभी अपने ग्रुप के पूरे मैच खेल चुके हैं। भारत और फिलहाल 6 पॉइंट्स के साथ क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं। अगर आज बांग्लादेश जीतता है तो उसके भी 6 पॉइंट्स हो जाएंगे।

अगर उसका बेहतर रनरेट हुआ तो भी वो ऑस्ट्रेलिया को बाहर करेगा न कि भारत को। ऐसा हो सकता है कि भारत पहले से दूसरे पायदान पर आ जाए। इस स्थिति में भी भारत का सेमीफाइनल खेलना तय है। मेजबान साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल के पास जाकर भी उससे दूर हो गया। साउथ अफ्रीका के भी पॉइंट्स टेबल में 6 पॉइंट हैं, लेकिन उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए श्रीलंका को बड़े अंतर से हराना था। मैच में उसे 1 रन से जीत मिली।

ग्रुप 2 में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। ग्रुप में न्यूजीलैंड अपने सभी मैच जीत कर 8 अंक के साथ टॉप पर है। वहीं इंग्लैंड ने भी अब तक अपने सारे मैच जीते हैं। उसके 6 अंक हैं। इंग्लैंड का आखिरी मुकाबला वेस्टइंडीज से है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में सानिया-बोपन्ना की जोड़ी

करियर का आखिरी ग्रैंड स्लैम जीतने उतरेगी सानिया मिर्जा

नई दिल्ली, 25 जनवरी। आखिरी ठौंड स्लैम खेली रहीं भारतीय स्टार सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन की मिक्स्ड कैटेगरी के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। मेलबर्न में बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले के तीसरे सेट से ब्रिटेन के नील स्कूपस्की और अमेरिकी की डेसिरै क्रॉक्जिक की जोड़ी हट गई। ऐसे में भारतीय जोड़ी को विजेता घोषित कर दिया गया। जब तीसरी सीड जोड़ी हटी तब मुकाबला एक-एक की बराबरी पर था। इस मैच का पहला सेट भारतीय जोड़ी ने 7-6 से जीता। उसके बाद ब्रिटिश-अमेरिकी जोड़ी ने दूसरा सेट 7-6 से अपने नाम कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। भारतीय खिलाड़ी आखिरी सेट के दस गेम जीत चुके थे। कॉम्प्टीटर के हिस्से 6 गेम की जीत आई थी।

अमेरिका और जर्मनी 64 टैंक भेजेंगे यूक्रेन के लिए

अमेरिका इसी सप्ताह 50 अब्राम टैंक व जर्मनी 14 लैपर्ड-2 टैंक देने की तैयारी कर रहे हैं

वाशिंगटन, 25 जनवरी (वार्ता)। अमेरिका यूक्रेन को 50 एम1 अब्राम्स टैंक भेजने की योजना बना रहा है और वह बुधवार को इस संबंध में घोषणा कर सकता है। वहीं जर्मनी ने भी अपनी चुप्पी तोड़ते हुये 14 लैपर्ड-2 टैंक भेजने की घोषणा कर दी है। तुर्की की समाचार एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि अमेरिका युद्धग्रस्त देश यूक्रेन को मदद के रूप में इस सप्ताह अमेरिका एम1 अब्राम्स टैंकों को भेजने के फैसले की घोषणा कर सकता है। घोषणा कथित तौर पर जर्मनी के साथ एक व्यापक सौदे का हिस्सा होगी, जो यूक्रेन को अपने लेपर्ड 2 टैंकों की एक छोटी संख्या की आपूर्ति करेगा। अमेरिकी रक्षा विभाग 'पेंटागन' के प्रेस सचिव पैट राइडर ने बताया कि यूक्रेन ने रूस का सामना करने के लिए पश्चिमी देशों से कम से कम तीन सौ टैंक भेजने का अनुरोध किया है। अब्राम्स टैंक जटिल वाहन हैं जिन्हें उचित रखरखाव की आवश्यकता होती है।

राइडर ने हालांकि इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि अब्राम्स टैंकों को चलाने के लिए क्या अमेरिका उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

गौरतलब है कि रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन में एक विशेष सैन्य अभियान शुरू कर दिया था, जिसके बाद से पश्चिमी देशों ने यूक्रेन के लिए अपना सैन्य समर्थन बढ़ा दिया है। मॉस्को ने नाटो सदस्य देशों को अप्रैल में एक नोट भेजा, जिसमें कीव को उनकी सैन्य सहायता की निंदा की गई थी। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने चेतावनी दी कि यूक्रेनी क्षेत्र में हथियार की कोई भी खेप रूसी सेना के लिए "वैध लक्ष्य" होगी। जर्मनी ने बड़ी घोषणा की है। जर्मनी ने अपनी पिछली स्थिति से यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यूक्रेन में अपने 14 टैंक भेजने और दूसरों को ऐसा करने की अनुमति देने के लिए वह तैयार है।

'बदहाल पाकिस्तान की जनता की गुहार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भी थोड़ा बढ़ी है, लेकिन उसकी यह आर्थिक वृद्धि कुछ ऐसी है जिसका कुछ हताश देशभक्त और वॉट्स ऐप पर बिना सोचे-समझे मैसेज भेजने वाले लोग ही उत्सव मना रहे हैं। पाकिस्तान की जी.डी.पी. करीब 350 बिलियन डॉलर है। आकार के हिसाब से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भारत की अर्थव्यवस्था के दसवें हिस्से के बराबर है। आर्थिक समानता का यदि पहले कभी कोई भ्रम था तो वह दूर होना शुरू हो गया है। भारत के आर्थिक विकास की कहानी अभी शुरू ही हुई है पिछले दो दशकों की भारत की आर्थिक प्रगति पाकिस्तान का संचालन करने वाले चतुर लोगों को भयभीत करने में सफल रही है, ये लोग अब दिखाई नहीं दे रहे हैं।

मॉर्गन स्टेनले की भविष्यवाणी है कि वर्ष 2030 तक या सात वर्ष से कम समय में भारत की जी.डी.पी. वर्तमान 3.18 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर करीब 8 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी। खुशी की यह ऐसी बात है जिसके लिए भविष्यवाणी के डेटा पर बार-बार गौर करने की जरूरत है। कुल वैश्विक निर्यातों में भारत का हिस्सा वर्तमान में 2.2 प्रतिशत है। मॉर्गन स्टेनले को उम्मीद है कि वर्ष 2030 तक वैश्विक निर्यातों में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 4.5 प्रतिशत हो जाएगी। भारत के खुदरा बाजार के इन अगले सात वर्षों में दोगुने से अधिक होकर 1.8 ट्रिलियन हो जाने की उम्मीद है।

शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जी.डी.पी. के प्रति व्यक्ति आंकड़े के 2 हजार 278 डॉलर प्रति वर्ष से बढ़ कर 5 हजार 242 डॉलर प्रति वर्ष हो जाने की उम्मीद है। भारतीय परिवार की वर्तमान में वार्षिक आय 35 हजार डॉलर है, इसके 5.6 प्रतिशत से बढ़ कर 25 प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि प्रत्येक चार भारतीय परिवारों में से एक परिवार ग्लोबल मिडिल क्लास होम बन जाएगा। इसमें रहने वाले अधिकांश लोग उच्च शिक्षित होंगे जो उस परिवार के लिए धनार्जन करेंगे। उनमें से अधिकांश विलासिता की वस्तुओं के उपभोक्ता होंगे। पृथ्वी पर इण्डियन सैलीब्रिटीज को सर्वाधिक भुगतान किया जाएगा क्योंकि भारत के अपर मिडिल क्लास ही दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता होंगे। भारत गरीबों के देश से एक ऐसा देश बनने जा रहाहै कि वर्ष 2030 में पूरी अर्थव्यवस्था के समानांतर यहां पर बहुत से अमीर लोग होंगे। "भारतीय होने" को पवन वर्मा जैसे लेखकों ने एक बार परिभाषित किया था कि यह "अस्तित्व संबंधी विरोधाभास" से परिपूर्ण है।

अगले साल वर्षों या उसके बाद भारत की अर्थव्यवस्था इस खाई को पाट देगी। अधिक आय, अधिक सम्पन्नता और अधिक उपभोग "भारतीय होने" की उक्त धारणा में ठोस परिवर्तन लाएगा।

'सुप्रीम कोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संबंधित हो। चिदम्बरम ने ट्वीट किया, "विधि मंत्री किरेन रिजीजू कोलीजियम पर हमला करते हुये यह क्यों कह रहे हैं कि उसने जज की नियुक्ति के लिये विचाराधीन तीन नामों से संबंधित आई.बी. एवं रॉ की रिपोर्ट उजागर कर दी?" चिदम्बरम ने आगे कहा कि लोगों को यह जानने का अधिकार है कि केन्द्र ने कोलीजियम द्वारा आगे बढ़ाये गये नामों को पूरी तरह "स्वेच्छाचारिता" के आधार पर खारिज कर दिया।

पुतिन की अमेरिका को धमकी

■ पुतिन ने कहा, अमेरिका के सभी टैंक रूस तबाह कर देगा।

मॉस्को, 25 जनवरी। रूस और यूक्रेन के युद्ध को अब एक साल होने जा रहा है, इसके बाद भी यह लड़ाई थमने का नाम नहीं ले रही है। हर दिन एक नई रणनीति के साथ यह युद्ध फिर शुरू हो जाता है। एक तरफ रूस है तो दूसरी तरफ यूक्रेन और नाटो देश। रूस, यूक्रेन पर कब्जा करना चाहता है तो वहीं यूक्रेन जितने भी नाटो देश हैं उनके सहारे पूतिन की हर चाल को मात देने में जुटा है। नाटो देशों ने रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को सैन्य सहायता बढ़ा दी है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन समेत कई देशों ने यूक्रेन को आधुनिक हथियार देने का ऐलान किया है। इसमें अमेरिका का अब्राम्स टैंक, ब्रिटेन का चैलेंजर-2 टैंक और जर्मनी का लेपर्ड टैंक भी शामिल है।

वहीं, रूस ने धमकी दी है कि वह नाटो के किसी भी हथियार की तरह इन देशों के टैंकों को आसानी से नष्ट कर देगा। इस बीच पश्चिमी सैन्य विशेषज्ञों ने कहा है कि यूक्रेन को मिल रहे इन घातक हथियारों का रूसी सेना पर घातक असर हो सकता है। रूसी सेना पूर्वी यूक्रेन में पहले से ही पीछे हट रही है। ऐसे में यूक्रेन की सेना अत्याधुनिक टैंकों, मिसाइलों, रॉकेटों, बख्तरबंद वाहनों की मदद से जबरदस्त जवाबी कार्रवाई कर सकती है।

अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंटोनोव ने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी की कार्रवाइयां संकट को और बढ़ा देंगी। इन देशों का यह फैसला यूक्रेन को रक्षात्मक हथियार मुहैया कराने से कहीं आगे निकल गया है।

चीन का बहिष्कार कर कड़ा संदेश देने की ज़रूरत : केजरीवाल

■ दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि, चीन लगातार हमें आँखें दिखा रहा है लेकिन हम उसके खिलाफ कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं।

नयी दिल्ली, 25 जनवरी (वार्ता) दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चीन का बहिष्कार करने का आ ान करते हुए कहा कि वह हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा है और हम उससे व्यापार बढ़ाते ही जा रहे हैं।

केजरीवाल ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को यहाँ छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने 74वें गणतंत्र दिवस की दिल्ली और देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि हम एक तरफ 74वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं और दूसरी तरफ आजादी के 75 साल का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों शहीद-ए-आजम भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, राजगुरु जैसे ढेरों नाम हैं जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को आजादी दिलाई थी। स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के बाद की पीढ़ियों के उपर इस आजादी और जनतंत्र को मजबूत व संभाल कर कायम रखने की जिम्मेदारी दी है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से चीन हमारी सीमाओं पर हमें आंखें दिखा रहा है। आज ही देश के एक अखबार में छपा है कि चीन ने हमारे देश की कुछ जमीन पर कब्जा कर लिया है। यह सभी भारतवासियों के लिए चिंता का विषय है। हमारे सैनिक चीन के सैनिकों से लड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। पूरी बहादुरी के साथ हमारे सैनिक बॉर्डर पर चीन का मुकाबला कर रहे हैं। एक तरफ, हमारे सैनिक बॉर्डर पर चीन का मुकाबला कर रहे हैं तो दूसरी तरफ देश की सारी सरकारों और हर भारतवासी का भी फर्ज बनता है कि हम उनकी इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। हमारा भी फर्ज बनता है कि चीन को कड़ा संदेश दिया जाए कि भारतीय यह बर्दाश्त नहीं करेगा। हम चीन का बहिष्कार करें और उसको सख्त संदेश दें। 2020 में हम लोगों ने चीन से 65 बिलियन डॉलर का सामान खरीदा और 2021 में 95 बिलियन डॉलर का सामान खरीदा। हमने 50 फीसद व्यापार बढ़ा दिया। हम तो चीन को और अमीर बनाते जा रहे हैं। उनसे और सामान खरीदते जा रहे हैं, उनको और पैसा दे रहे हैं। चीन हमारे ही पैसे से और अधिक हथियार खरीद रहा है, सैनिकों को भर्ती कर रहा है और हमारे उपर आक्रमण कर रहा है। यह तो सही नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ पिछले पांच-छह सालों में 12 लाख व्यापारी व उद्योगपति अपना देश छोड़कर विदेश चले गए। वह अपनी व्यवस्था और एजेंसी से परेशान होकर के भारत छोड़कर विदेश चले गए। हमने अपने व्यापारियों व उद्योगपतियों को इतना दुखी कर रखा है कि वह बहुत तंग आ चुके हैं, उनका अपने देश में धंधा मुश्किल हो गया है और भारत छोड-छोड़कर जा रहे हैं। पिछले 5 साल के अंदर 12 लाख लोग भारत छोड़कर चले गए। हम अपने लोगों को भगा रहे हैं और चीन से सारा सामान आयात कर रहे हैं, ऐसे देश कैसे तरक्की करेगा? उन्होंने कहा कि एक तरफ हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को स्वतंत्र कराया और जनतंत्र की स्थापना की।पिछले कुछ वर्षो से हम देख रहे हैं कि जनतंत्र के ऊपर भी थोड़ी-थोड़ी आंच आने लगी है।जनता और जनता द्वारा चुनी हुई सरकारों के ऊपर कोई नहीं है। लेकिन पिछले कुछ सालों में हम देख रहे हैं कि एक राज्य ऐसा है, जहां जनता की चुनी हुई सरकार ने ढेरों कानून पास किए, लेकिन वहां का गवर्नर कानून पर दस्तखत करने को तैयार नहीं है। जो कानून जनता ने पास किए, जो कानून जनता की चुनी हुई सरकार ने पास किए, क्या एक आदमी उन कानूनों को रोक सकता है। क्या एक आदमी को अधिकार होना चाहिए कि वो जनता की अभिलाषा, कामनाओं और कामों को रोक दे। यह तो जनतंत्र नहीं है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार पूरे देश में सबसे कम महंगाई दिल्ली के अंदर है। दिल्ली में महंगाई की दर 3 फीसदी है, जबकि गुजरात में 7 फीसदी, हरियाणा में 7.8 फीसदी है, जो दिल्ली से ढाई गुना ज्यादा है। मध्यप्रदेश में महंगाई की दर 7.5 फीसदी है।

पूरे देश में सबसे सस्ती चीजें और सबसे कम महंगाई दिल्ली में है, क्योंकि आज यहाँ बिजली, पानी मुफ्त है। दिल्ली में शानदार सरकारी स्कूल है और सरकारी स्कूलों में सारी शिक्षा मुफ्त है। दिल्ली में सारी स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त है। सरकारी अस्पताल में सारा इलाज, टेस्ट, दवाइयां और ऑपरेशन सब कुछ मुफ्त है। महिलाओं के लिए बसों का सफर मुक्त है। बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा मुफ्त है। राशन मुफ्त है।

'कर्मचारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्मचारियों की समस्त लम्बित याचिकाओं का निस्तारण कर दिया।

बैंच ने शिक्षक को अनुमति दी कि वे सम्बंधित अथॉरिटी से पढ़ाने व अन्य कार्यों की जिम्मेवारी निभाने की अनुमति ले। कोर्ट ने कहा कि इस सम्बंध में 30 दिन में फैसला हो जाना चाहिए। पूर्व में जैकब पुलियेल बनाम भारत सरकार एवं अन्य केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि व्यक्ति को अधिकार है कि वह अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में कोई भी इलाज लेने से इन्कार कर दे।

उसने 2021 में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और अब वह वैक्सीन लगवा चुका है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908